हिन्दी दैनिक

RNI : CTHIN/25/A1911

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 148 ● भिलाई, मंगलवार 16 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

आंध्र प्रदेश में पेट्रोल-डीजल सबसे महंगा, अंडमान में सबसे सस्ता : सरकार

नयी दिल्ली. सरकार ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि आंध्र प्रदेश में पेट्रोल और डीजल सबसे महंगे हैं, जिसका मुख्य कारण राज्य द्वारा लगाया जाने वाला सबसे अधिक मूल्य वर्द्धित कर (वैट) है, जबकि अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में ईंधन की कीमतें सबसे कम हैं. ईंधन कीमतों में असमानता से जुड़े एक सवाल के लिखित जवाब में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती में पेट्रोल की कीमत 109.74 रुपये प्रति लीटर है, जबकि अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में यही पेट्रोल 82.46 रुपये प्रति लीटर मिलता है. उन्होंने कहा, पेट्रोल और डीजल की अंतिम कीमतों में केंद्र सरकार द्वारा तय उत्पाद शुल्क और संबंधित राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश सरकारों द्वारा तय वैट या कर शामिल होते हैं. उन्होंने कहा कि देश भर में दरों में अंतर अलग-अलग मालभाड़ा दरों और वैट या स्थानीय करों के कारण होता है, जो विभिन्न राज्यों में एक समान नहीं होते हैं. राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित आंध्र प्रदेश पेट्रोल पर सबसे अधिक 29.06 रुपये प्रति लीटर वैट वसूलता है, जबकि अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में यह केवल 0.82 रुपये प्रति लीटर है.

उच्चतम न्यायालय ने इंडिगो की उड़ानों के रद्द होने से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करने से किया इनकार

नयी दिल्ली. उच्चतम न्यायालय ने इंडिगो द्वारा सैकड़ों उड़ानें रद्द किए जाने के मुद्दे पर न्यायिक हस्तक्षेप का अनुरोध करने वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने से सोमवार को इनकार कर दिया और याचिकाकर्ता को अपनी शिकायतें लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख करने को कहा. दिल्ली उच्च न्यायालय ने इंडिगो की उड़ानों के रद्द होने से उत्पन्न संकट पर समय रहते कार्रवाई नहीं करने को लेकर 10 दिसंबर को केंद्र सरकार से सवाल किए थे. उच्च न्यायालय ने सवाल किया था कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों उत्पन्न हुई, जिसके कारण इंडिगो की कई उड़ान रद्द करनी पड़ीं. अदालत इंडिगो द्वारा सैकड़ों उड़ान रद्द किए।

कांग्रेस विधायकों का वाक आउट...

बजट में रखे हैं तो फिर दे क्यों नहीं रहे बेरोजगारी भत्ता

रायपुर। संवाददाता

विधानसभा में आज बेरोजगारी भत्ता बंद होने का मामला जमकर उठा। विपक्षी कांग्रेस विधायक दल ने आरोप लगाया कि सरकार अपने बजट में बेरोजगारी भत्ते का प्रावधान तो रखी है लेकिन दे नहीं रही है। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब की तरफ से संतोषजनक जवाब नहीं आने की बात कहते हुए सारे कांग्रेस विधायक नारेबाजी करते हुए सदन से वाक आउट कर गए। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक लखेश्वर बघेल का सवाल था कि छत्तीसगढ़ राज्य में 1 अप्रैल 2024 की स्थिति में पंजीकृत बेरोजगारों की कुल संख्या क्या है? राज्य में पंजीकृत बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध होने राज्य शासन के व्दारा किये जा रहे प्रयास, कार्ययोजना तथा प्रस्तावित लक्ष्य एवं इसके लिए निर्धारित समय क्या है? कौशल विकास मंत्री गुरू खुशवंत साहेब कि तरफ से जवाब आया कि छत्तीसगढ़ राज्य में 1 अप्रैल 2024 की स्थिति में पंजीकृत रोजगार इच्छुकों की संख्या 11 लाख 39 हजार 656 है। राज्य में पंजीकृत बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु प्रदेश के समस्त जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्रों द्वारा रोजगार मेला/प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। लखेश्वर बघेल ने कहा कि हर साल 5 से 8 लाख लोग 12 वीं, स्नातक व स्नातकोत्तर की परीक्षा पास करके निकलते हैं। ऐसे में पंजीकृत शिक्षित बेरोजगारों की संख्या 11 लाख पर ही कैसे ठहरी हुई है? विभिन्न

शैक्षणिक योग्यता प्रशिक्षण देने की बात की जाती रही है। कितने लोगों को कौन से वर्ग में नौकरी दी गई? खुशवंत साहेब ने कहा कि रोजगार मेला व केम्प लगाए जाते रहे हैं। स्थानीय कंपनियों को भी उसमें बुलाते हैं। जल्द रोजगार मेला का आयोजन करेंगे। 14 हजार से अधिक लोगों को रोजगार देंगे। कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने पूछा कि पिछली सरकार ने बेरोजगारी भत्ता देना शुरु किया था। इसे बंद क्यों कर दिया गया? खुशवंत साहेब ने कहा कि युवा वर्ग को हम सक्षम बनाने का काम कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि पिछले विधानसभा सत्र में बेरोजगारी भत्ते के सवाल पर लिखित में उत्तर मिला था इसे बंद नहीं किया गया है। जब बंद नहीं किया गया है तो दे क्यों नहीं रहे हैं? खुशवंत साहेब ने कहा कि आपके समय में रोजगार इच्छुक लोगों को रोजगार कार्यालय के चक्कर काटने पड़ते थे। हमने ऑन लाइन किया। उमेश पटेल ने कहा कि इसे आपने शुरु नहीं किया, हमारे ही कार्यकाल में शुरु हो गया था। भूपेश बघेल ने अपनी बात को दोहराते हुए कहा कि जब बजट में बेरोजगारी भत्ते का प्रावधान रखा गया है तो इस दे क्यों नहीं रहे हैं? यह बेरोजगारों के साथ धोखा है। मंत्री की तरफ से संतोषजनक जवाब नहीं आ रहा है।

69 लाख से अधिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ, विधानसभा में महिला बाल विकास मंत्री का आया जवाब

रायपुर। विधानसभा में आज महिला बाल विकास मंत्री की ओर से जानकारी सामने आई कि छत्तीसगढ़ में 69 लाख से अधिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ मिल रहा है। कांग्रेस विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा का लिखित में सवाल था कि 20 नवम्बर 2025 की स्थिति में प्रदेश की कितनी महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ दिया जा रहा है? महतारी वंदन योजना के लाभ से वंचित शेष विवाहित महिलाओं से आवेदन लेकर इन्हें इस योजना के लाभ दिये जाने की प्रक्रिया कब तक प्रारंभ कर दी जावेगी? महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े का लिखित में जवाब आया कि 20 नवम्बर 2025 की स्थिति में 69 लाख 15 हजार 273 महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ दिया जा रहा है।

कई शीर्ष नेता रहे मौजूद

जेपी नड्डा और अमित शाह ने की नितिन नबीन की ताजपोशी

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन की ताजपोशी दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में की गई। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नितिन नबीन को पटका पहनाकर और गुलदस्ता देकर उनकी ताजपोशी की। वहीं इसके बाद पार्टी कार्यालय में तमाम भाजपा नेताओं ने नितिन नबीन को पार्टी के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी है। बता दें कि नितिन नवीन का जन्म 23 मई 1980

हो हुआ था। नितिन को जब कार्यकारी अध्यक्ष बने तो उनकी उम्र 45 साल है और भाजपा की उम्र भी इतनी ही है। नितिन नबीन के भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा, 'उन्हें संगठनों और सरकार दोनों में अनुभव है, और वे बहुत ही सरल व्यक्ति हैं, लेकिन साथ ही अविश्वसनीय रूप से मेहनती भी हैं।' वहीं भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'नितिन नबीन को बधाई। वे एक विनम्र और समर्पित कार्यकर्ता हैं। वे पांच बार विधायक रह चुके हैं... उन्होंने अपने परिश्रम से जो मुकाम हासिल किया है, उसी वजह से पार्टी ने इस समर्पित कार्यकर्ता को सम्मानित किया है। और ऐसा सिर्फ भाजपा में ही संभव है।' पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने इस पर कहा, 'हम सभी खुश हैं। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी का अनुभव है, तो दूसरी तरफ युवा अध्यक्ष की ऊर्जा। इन दोनों के बल पर हम एक नए भारत को देखेंगे।

राष्ट्रीय निशानेबाजी: मनु भाकर, सिमरनप्रीत को 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण पदक

नयी दिल्ली। ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु भाकर और विश्व कप फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता सिमरनप्रीत कौर बरार ने सोमवार को यहां राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिला 25 मीटर पिस्टल वर्ग में क्रमश: सीनियर और जूनियर वर्ग का खिताब जीता. मनु ने फाइनल में 36 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया. कर्नाटक की दिव्या टीएस 32 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं. अंजलि चौधरी ने 28 अंक के साथ कांस्य पदक जीता जबकि ओलंपियन रिद्धम सांगवान चौथे स्थान पर रहीं. क्वालीफिकेशन दौर में कड़ी चुनौती के बीच मनु 581 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहीं. दिव्या ने 587 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

किंग अब्दुल्ला के निमंत्रण पर जॉर्डन की यात्रा पर

अम्मान पहुंचे पीएम नरेन्द्र मोदी औपचारिक स्वागत किया गया

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से तीन देशों के अहम दौरे पर है, पीएम मोदी अपनी यात्रा के पहले पड़ाव के तौर पर जॉर्डन पहुंचे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक यह दौरा भारत के पश्चिम एशिया और अफ्रीका के साथ रिश्तों को नई मजबूती देने वाला है। व्यापार, निवेश, रणनीतिक सहयोग और क्षेत्रीय मुद्दों पर इस दौरान गहन बातचीत होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जॉर्डन की राजधानी अम्मान पहुंचने पर औपचारिक स्वागत किया गया। जॉर्डन के प्रधानमंत्री जाफर हसन ने एयरपोर्ट

पर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक अस्थिरता बढ़ी है। भारत इस दौरे के जरिए अपने भरोसेमंद साझेदारों के साथ राजनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाना चाहता है। खास बात यह है कि जॉर्डन और इथियोपिया की यह पीएम मोदी की पहली पूर्ण द्विपक्षीय यात्रा होगी, जबकि ओमान का यह उनका दूसरा दौरा है। पीएम मोदी जॉर्डन में किंग अब्दुल्ला द्वितीय से आमने-सामने बातचीत करेंगे। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी। भारत और जॉर्डन के बीच कूटनीतिक संबंधों के 75 साल पूरे हो रहे हैं। ऐसे में यह यात्रा विशेष मानी जा रही है। दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और राजनीतिक सहयोग पर फोकस रहेगा। दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री मोदी और किंग अब्दुल्ला भारत-जॉर्डन व्यापार कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संकल्प

हर जरूरतमंद की सेवा ही हमारी सरकार का लक्ष्य

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य ''हर जरूरतमंद की सेवा करना'' है। योगी आदित्यनाथ ने यहां 'जनता दर्शन' के दौरान यह बात कही। 'जनता दर्शन' के दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए प्रत्येक फरियादी से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और सभी के प्रार्थना पत्र लेकर संबंधित अधिकारियों को सख्त एवं उचित कार्रवाई के निर्देश दिए। एक बयान के अनुसार, 'जनता दर्शन' में प्रादेशिक सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) के एक सिपाही ने मुख्यमंत्री को अपनी समस्या से

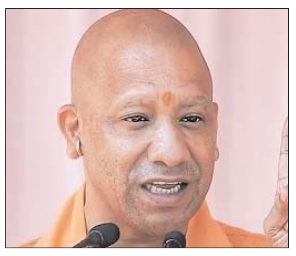

अवगत कराया जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए मामले के उचित निस्तारण का निर्देश दिया। शाहजहांपुर से आए एक किसान ने धान खरीद केंद्रों पर लापरवाही की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''सरकार किसानों की समृद्धि के लिए लगातार कार्य कर रही है ।

लाल किला विस्फोट: अदालत ने शोएब और नसीर बिलाल की एनआईए हिरासत चार दिन और बढ़ाई

नयी दिल्ली. दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को फरीदाबाद निवासी शोएब और जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले के निवासी डॉ. नसीर बिलाल मल्ला की एनआईए हिरासत को चार और दिनों के लिए बढ़ा दिया. शोएब पर लाल किले के पास कार में विस्फोट करने वाले उमर-उन-नबी को पनाह देने का आरोप है. जांच एजेंसी ने पांच दिसंबर को दी गई उसकी पिछली 10 दिन की हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा के बीच शोएब को पटियाला हाउस अदालत में पेश किया. राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को नौ दिसंबर को दी गई नसीर की सात दिन की हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद उसे अदालत में पेश किया गया.

'वोट चोरी' के मुद्दे पर विपक्ष में दो फाड़

सीएम उमर अब्दुल्ला बोले: यह कांग्रेस का मुद्दा इंडिया गठबंधन का इससे कोई लेना-देना नहीं

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि कांग्रेस के 'वोट चोरी' अभियान से इंडिया गठबंधन का कोई लेना-देना नहीं है। अब्दुल्ला ने मीडिया से कहा कि कांग्रेस के 'वोट चोरी' अभियान से इंडिया गठबंधन का कोई संबंध नहीं है। हर पार्टी को अपना एजेंडा चुनने का अधिकार है। कांग्रेस ने 'एसआईआर' और 'वोट चोरी' को अपना मुख्य मुद्दा बनाया है। हम उन्हें क्या करने को कहें, यह बताने वाले हम कौन होते हैं? वे अपने मुद्दे चुन सकते हैं, और हम अपने। कांग्रेस ने अपने 'वोट चोरी' अभियान को और तेज करने के लिए राजधानी में एक विशाल रैली आयोजित की। मुख्य विपक्षी दल ने चुनाव आयोग पर भाजपा के साथ मिलकर मतदान प्रक्रिया में हेरफेर करने का आरोप लगाया है। चुनाव आयोग और भाजपा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। अब्दुल्ला की ये टिप्पणियां नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता द्वारा 'इंडिया गठबंधन' को 'जीवन रक्षक प्रणाली' पर रखने के एक सप्ताह बाद आई हैं। इस टिप्पणी पर सहयोगियों की ओर से तीखी प्रतिक्रियाएं आईं, कुछ ने अब्दुल्ला के बयान का समर्थन

किया तो कुछ ने असहमति जताई। दिल्ली में हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट में एक संवाद के दौरान अब्दुल्ला ने कहा, हम एक तरह से जीवन रक्षक प्रणाली पर हैं, लेकिन कभी-कभी कोई हमें झटका देता है और हम फिर से उठ खड़े होते हैं। लेकिन फिर, दुर्भाग्य से, बिहार जैसे परिणाम आते हैं और हम फिर से गिर जाते हैं, और फिर किसी को हमें आईसीयू में ले जाना पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि उनका मानना ??है कि इंडिया गठबंधन ने नीतीश कुमार को एनडीए की गोद में धकेल दिया और बिहार सीट-बंटवारे में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा को शामिल करने में गठबंधन की विफलता की ओर इशारा किया। आरजेडी नेता मनोज झा ने अब्दुल्ला की टिप्पणियों को जल्दबाजी बताया। उन्होंने कहा, अगर गठबंधन संकट में है, तो उमर भी गठबंधन का हिस्सा हैं।

विकसित भारत 'जी राम जी' बिल

मनरेगा का नाम बदलने पर प्रियंका का सवाल-क्यों हटा रहे गांधी जी का नाम

नई दिल्ली। एजेंसी

कांग्रेस ने सरकार को मनरेगा का नाम बदलने से लेकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति तक पर घेरा है। केरल से निर्वाचित पार्टी सांसद प्रियंका गांधी ने सरकार से तीखे सवाल पूछे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी सांसदों को व्हिप जारी कर मनरेगा का नाम बदलने संबंधी विधेयक पारित कराते समय सदन में मौजूद रहने का निर्देश दिया है। सरकार का तर्क है कि यह बदलाव 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के तहत है। मनरेगा का नाम बदलने के निर्णय को लेकर केंद्र सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए प्रियंका गांधी ने सवाल किया कि योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाने के पीछे सरकार की नीयत क्या है? तृणमूल कांग्रेस सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने भी सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। मनरेगा के अलावा कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दिल्ली में वायु

प्रदूषण की रोकथाम के लिए किए जाने वाले उपाय- ग्राप को लेकर सरकार का घेराव किया है। प्रियंका ने संसद परिसर में पत्रकारों के एक सवाल पर कहा, जब भी किसी योजना का नाम बदला जाता है, तो कार्यालयों, स्टेशनरी आदि में बड़े पैमाने पर बदलाव करने पड़ते हैं। ऐसी गतिविधियों पर सरकार का बहुत पैसे खर्च करती है। उन्होंने सवाल किया कि नाम बदलने का फायदा क्या है? यह सब क्यों किया जा रहा है? महात्मा गांधी का नाम क्यों हटाया जा रहा है? कांग्रेस सांसद प्रियंका ने कहा, 'महात्मा गांधी को न केवल देश में बल्कि विश्व में सबसे महान नेता माना जाता है; इसलिए उनका नाम हटाने के पीछे का उद्देश्य मेरी समझ से परे है। उनका इरादा क्या है? केरल की वायनाड लोकसभा सीट से निर्वाचित सांसद ने लोकसभा की कार्यवाही के दौरान समय के सदुपयोग का जिक्र करते हुए कहा, 'जब हम बहस करते हैं, तब भी वह अन्य मुद्दों पर होती है। न कि जनता के वास्तविक मुद्दों पर। समय बर्बाद हो रहा है, पैसा बर्बाद हो रहा है, वे खुद को ही परेशान कर रहे हैं।

महाराष्ट्र में बीएमसी चुनाव का एलान

15 जनवरी को वोटिंग तो 16 को मतगणना..

मुंबई। महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनाव को लेकर राज्य चुनाव आयोग ने तारीखों की घोषणा कर दी है। आयोग के अनुसार, मतदान 15 जनवरी 2026 को होगा, जबकि मतों की गिनती 16 जनवरी 2026 को की जाएगी। राज्य चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए सभी जरूरी तैयारियां की जा रही हैं। मतदान के दिन सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे और मतदाताओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने मुंबई में प्रेस

कॉन्फ्रेंस कर बताया कि इन 29 नगर निगमों में कुल 2,869 सीटों के लिए चुनाव होंगे। इन चुनावों में करीब 3.48 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। बीएमसी चुनाव को राज्य की राजनीति के लिहाज से बेहद अहम माना जाता है।

CMYK

कबीरधाम में विकास की नई रफ्तार: सड़क परियोजनाओं ने बदली जनजातीय क्षेत्रों की तस्वीर

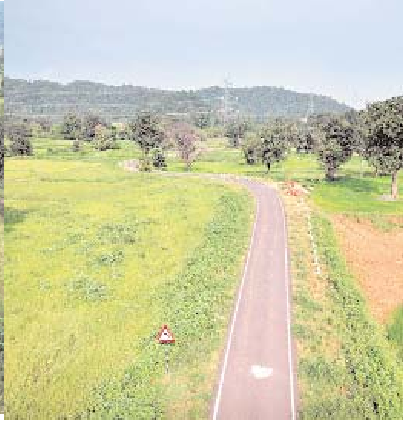

200 से अधिक बसाहटें होंगी मुख्यधारा से जुड़ी

कवर्धा। जिले में सड़क विकास कार्यों को लेकर एक नया और मजबूत दौर शुरू हो चुका है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के कुशल नेतृत्व और लगातार प्रयासों से ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में कनेक्टिविटी सुधारने वाली महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को अभूतपूर्व गति मिली है। पीएम-जनमन योजना के तहत वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में बोड़ला और पंडरिया विकासखंड के अतिविशिष्ट जनजातीय क्षेत्रों के लिए 76 सड़कों (273.60 किमी) के निर्माण हेतु 20588.36 लाख रुपये स्वीकृत किए गए थे। इनमें से 12 सड़कें पूरी हो चुकी हैं, जिससे 12 दूरस्थ बसाहटों को पहली बार सालभर सड़क सुविधा मिली है। शेष 64 सड़कों का निर्माण मार्च 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है, जिससे 74 और बसाहटें सड़क से जुड़ेंगी। वर्ष 2025-26 में जनजातीय पहुंच-विहीन बसाहटों को जोड़ने के लिए 7 नई सड़कों (17.20 किमी) के निर्माण हेतु 1572.75 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत जिले के चारों विकासखंड–कवर्धा, बोड़ला, पंडरिया और सहसपुर-लोहारा–में 44 सड़कों (239.58 किमी) के सुदृढ़ीकरण और नवीनीकरण हेतु 13666.54 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 5 सड़कों पर कार्य शुरू हो चुका है, जबकि अन्य 39 सड़कों की निविदा प्रक्रिया जारी है। चौथे चरण में जिले को बड़ी सौगात मिलते हुए 48 नई सड़कों (104.06 किमी) के लिए 10618.18 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इससे 48 बसाहटों को पहली बार बारहमासी सड़क सुविधा मिलेगी, जो क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई ऊर्जा देगी। पीएम-जनमन योजना के अंतर्गत 9 वृहद पुलों (470 मीटर) के निर्माण हेतु 2669.14 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। निविदा की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, जिससे मुख्य मार्गों पर आवागमन और सुगम होगा। इन सभी परियोजनाओं के पूर्ण होने पर कबीरधाम का ग्रामीण परिवेश न सिर्फ मजबूत सड़क नेटवर्क से जुड़ेगा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और व्यापार में भी नई संभावनाएं खुलेगी। कबीरधाम जिला अब ग्रामीण सड़क विकास का उभरता राष्ट्रीय मॉडल बनता दिखाई दे रहा है।

गौ माता राष्ट्र माता बने, गौ प्रेम सनातन का मूल आधार : डॉ सौरव निर्वाणी

धर्म स्तंभ काउंसिल के आह्वान पर नवागढ़ में गोपाल यज्ञ

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम बाघुल में गौ माँ प्रेम क्रांति यात्रा के तत्वावधान में आयोजित होने जा रहा गौ सेवा गोपाल यज्ञ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि हिन्दू समाज के जीवन में गौ-प्रेम, गौ-संरक्षण और सांस्कृतिक चेतना जागृत करने का विराट जनआंदोलन है। यह भव्य आयोजन 28 दिसंबर को शोभायात्रा के साथ प्रारंभ होकर 29 दिसंबर से 4 जनवरी तक यज्ञ एवं विविध गौ-सेवा कार्यक्रमों के रूप में संपन्न होगा। इस पुण्य आयोजन का संचालन परम पूज्य शक्तिधाम पीठाधीश्वर दिवाकर महाराज के पावन सान्निध्य में किया जाएगा। धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ. सौरव निर्वाणी ने इस अवसर पर जारी अपने बयान में कहा गौ माता केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, प्रकृति और राष्ट्र जीवन की आधारशिला हैं। गौ-रक्षा ही हिन्दू समाज की रक्षा है। गौ माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा दिलाने का यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए सांस्कृतिक संकल्प है। उन्होंने आगे कहा कि इस यज्ञ के माध्यम से गौ-व्रत धारण, गौ-रक्षा सूत्र बंधन, और समूहिक गौ-सेवा संकल्प कराकर समाज को कर्तव्यबोध से जोड़ा जाएगा। यह आयोजन धर्म, संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण को एक सूत्र में पिरोने का अद्वितीय प्रयास है। वहीं रामजानकी मंदिर नवागढ़ के महंत सुरेंद्र दास ने समस्त क्षेत्रवासियों, संत समाज, मातृशक्ति, युवाओं एवं हिन्दू संगठनों से सक्रिय जनसहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि जब तक प्रत्येक हिन्दू गौ-रक्षा को अपना व्यक्तिगत दायित्व नहीं मानेगा, तब तक राष्ट्र की आत्मा सुरक्षित नहीं रह सकती। यह यज्ञ आत्मजागरण का अवसर है–इसे जन-जन का अभियान बनाना होगा। धर्म स्तंभ काउंसिल ने स्पष्ट किया कि यह आयोजन राजनीति से परे, पूर्णतः सांस्कृतिक और राष्ट्रहित में समर्पित है तथा इसका उद्देश्य गौ-हत्या, गौ-उपेक्षा और सांस्कृतिक विस्मृति के विरुद्ध समाज को संगठित करना है।

कबीरधाम में स्वास्थ्य सुविधाओं की बड़ी छलांग: मातृत्व अस्पताल, सीटी स्कैन एम्बुलेंस से लेकर मेडिकल कॉलेज तक–जिले ने दो साल में रचा नया इतिहास

कवर्धा। जिले में वर्ष 2023 से अब तक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। जिले के अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों, मशीनों, एम्बुलेंस, लैब और मेडिकल शिक्षा से जुड़ी योजनाओं ने स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा दी है। जिले को 13 सितंबर 2024 को 50 बिस्तरों वाले मातृत्व एवं शिशु अस्पताल की सौगात मिली। इसके लिए 40 पदों की मंजूरी दी गई, जिससे मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा सुधार होगा। इसके बाद 20 जनवरी 2025 को जिला अस्पताल में 16.63 करोड़ रुपये की लागत से बने क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक का लोकार्पण किया गया, जिसका कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। 25 फरवरी 2024 को जिला चिकित्सालय में 92.87 लाख रुपये की लागत से आधुनिक हमर लैब शुरू की गई, जिससे मरीजों को कई तरह की जांच की सुविधा स्थानीय स्तर पर मिलने लगी। 1 जुलाई 2025 को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रेंगाखार को 27 लाख रुपये की एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई, जबकि 19 जुलाई 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिपरिया को भी नई एम्बुलेंस मिली। 16 जुलाई 2025 को जिला चिकित्सालय कबीरधाम की क्षमता 100 से बढ़ाकर 220 बिस्तर करने की स्वीकृति दी गई। साथ ही 258 नए पदों को स्वीकृति मिली, जिससे अस्पताल की सेवाएँ और मजबूत होंगी। 25 जुलाई 2025 को जिले को 449.99 लाख रुपये की उन्नत सीटी स्कैन मशीन की सौगात मिली। इसके अलावा अस्पताल के ओटी और हमर लैब में आनलाइन यूपीएस पावर बैकअप की सुविधा भी स्थापित की गई ताकि महत्वपूर्ण सेवाएं बिजली कटौती से प्रभावित न हों। बोड़ला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को 24 सितंबर 2025 को 15 लाख रुपये की सोनोग्राफी मशीन दी गई। इसी दिन कर्मचारियों के लिए 2 एफ-टाईप क्वार्टर (84 लाख) और 2 जी-टाईप क्वार्टर (31 लाख) का शुभारंभ किया गया। 2 नवंबर 2025 को पिपरिया और सहसपुर-लोहारा दोनों में 50-50 लाख रुपये की लागत से ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट की शुरुआत की गई। स्वास्थ्य विभाग ने राजानवागांव उपस्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में और तरेगांव पीएचसी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नत कर स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया। पिपरिया और तरेगांव दोनों सीएचसी के लिए 2.5-2.5 करोड़ रुपये की लागत से नए भवनों की स्वीकृति दी गई। जिले को सबसे बड़ी सौगात तब मिली जब 318 करोड़ 27 लाख 50 हजार रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज की स्थापना की स्वीकृति प्रदान की गई। इससे जिले को स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार तीनों क्षेत्रों में बड़ा लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा वनांचल और दूरस्थ इलाकों में लगातार स्वास्थ्य शिविर और सोनोग्राफी कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं, जिनसे अब तक 1000 से अधिक गर्भवती महिलाओं को घर के आसपास ही जांच सुविधा मिल चुकी है। जिला अस्पताल में बालको के साथ मिलकर हर महीने मुफ्त कैंसर स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें अब तक 155 मरीजों की जांच की जा चुकी है। जिला खनिज न्यास मद से अस्पताल में 14 स्टाफ नर्स की नियुक्ति कर स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाया गया है। कुल मिलाकर इन महत्वपूर्ण कार्यों ने कबीरधाम जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत, आधुनिक और व्यापक बनाया है। मातृत्व सेवाओं से लेकर आपातकालीन चिकित्सा, जांच सुविधाओं, भवन निर्माण और मेडिकल शिक्षा तक–जिले में स्वास्थ्य का आधार पहले से कहीं अधिक मजबूत हुआ है।

दो साल में मोदी की गारंटी फेल, जनता खुद को ठगा महसूस कर रही : नवीन जायसवाल

कवधो। जिला कांग्रेस कमेटी कबीरधाम के अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने भाजपा सरकार के दो वर्षों के कार्यकाल को पूरी तरह विफल बताते हुए कहा कि 2023 के विधानसभा चुनाव में किए गए वादे जमीन पर नहीं उतरे। उन्होंने आरोप लगाया कि जल-जंगल-जमीन को बड़े उद्योगपतियों के हवाले किया जा रहा है, आदिवासी अधिकारों का हनन हो रहा है और किसान खाद-बीज, बिजली कटौती व धान खरीदी की अव्यवस्थाओं से जूझ रहे हैं। कबीरधाम के शक्कर कारखानों में गन्ना किसानों का भुगतान महीनों अटका रहने से आर्थिक संकट गहरा गया है। गृह मंत्री का जिला होने के बावजूद अपराध बढ़े हैं; मूर्ति चोरी-खंडन और सामाजिक अशांति की घटनाएँ सामने आई हैं। शिक्षा में शिक्षकों की कमी, किताबों की देरी, बेरोजगारी, भर्ती प्रक्रियाओं पर भ्रष्टाचार के आरोप और 500 रुपये गैस सिलेंडर जैसे वादों की असफलता भी उजागर हुई है। बिजली बिलों में बढ़ोतरी से गरीब-मध्यम वर्ग परेशान है, वहीं सड़कों की बदहाली और पंचायतों के पास फंड की कमी विकास को रोक रही है। जायसवाल ने कहा कि सरकार केवल अपने नेताओं-कार्यकर्ताओं को खुश करने में लगी है, जबकि किसान, युवा, महिलाएं और आम जनता सबसे अधिक परेशान हैं–और जनता आने वाले समय में इसका जवाब देगी।

नेशनल लोक अदालत में बड़ी संख्या में प्रकरणों का निराकरण

दल्लीराजहरा। व्यवहार न्यायालय में आयोजित नेशनल लोक अदालत में बड़ी संख्या में प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण किया गया। लोक अदालत के माध्यम से न्यायालय में लंबित मामलों का त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान किया गया। लोक अदालत में पति-पत्नी संगीता भारद्वाज एवं महेंद्र भारद्वाज के बीच लंबे समय से चल रहे घरेलू हिंसा प्रकरण में दोनों पक्षों के बीच राजीनामा कर प्रकरण को समाप्त कराया गया। इसके अतिरिक्त 06 प्रकरण धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के, 937 प्रकरण मोटर व्हीकल एक्ट के, 80 समरी ट्रायल, 02 आईपीसी के तथा 33 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया गया। प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में बैंक, नगर पालिका, नगर पंचायत, विद्युत विभाग एवं दूरसंचार विभाग से संबंधित मामलों में आपसी सहमति से राजीनामा हुआ। लोक अदालत में कुल 1058 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। इस दौरान कुल 26,19,176 रुपये की राशि प्राप्त हुई। इस अवसर पर व्यवहार न्यायालय दल्ली राजहरा की प्रथम श्रेणी न्यायाधीश श्रद्धा सिंह श्रीवास्तव उपस्थित रहीं। अधिवक्ता अधिकारी के रूप में पीतांबर रावटे एवं जितेंद्र भट्ट ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोक अदालत में अधिवक्ता पवन गोयल, इसराइल साह, राकेश द्विवेदी, जागेंद्र भारद्वाज, सुनील नंदी, मनोज प्रताप सिंह, अनीश वाघमारे, रेशमा बानो एवं सेलीस्टियल डिसूजा उपस्थित रहे। इसके साथ ही न्यायालय रीडर मनीष कुमार दर्रो, विजय तुरकाने, संजय चंद्राकर कमलेश्वरी गावरे, विभिन्न संस्थाओं–बैंक, नगर पालिका, नगर पंचायत, विद्युत विभाग एवं दूरसंचार विभाग–के आधिकारिक प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित रहे।

नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा का आयोजन, 1176 विद्यार्थी हुऐ उपस्थित

सरायपाली। जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा विकासखंड के विभिन्न परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। शैक्षणिक सत्र 2026-27 कक्षा 6 वीं में प्रवेश हेतु पंजीकृत विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। परीक्षा प्रातः निर्धारित समय पर प्रारंभ हुई। विकासखंड में 6 परीक्षा केंद्र प्रतिभा हायर सेकेंडरी स्कूल बालसी, मा.स.गो. हायर सेकेंडरी स्कूल , शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल , सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, आईईएमबीएच स्कूल कुटेला, एसटी विसेंट पलोटी हायर सेकेंडरी स्कूल कुटेला केंद्रों पर सुरक्षा, स्वच्छता एवं अनुशासन की समुचित व्यवस्था की गई थी।

परीक्षार्थियों की पहचान, प्रवेश पत्र जांच तथा अन्य औपचारिकताओं का कार्य सुचारू रूप से संपन्न कराया गया। परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था या अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। परीक्षा केंद्रों पर पर्यवेक्षकों, केंद्राध्यक्षों, शिक्षकों एवं सहायक कर्मचारियों द्वारा अपने दायित्वों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन किया गया। अभिभावकों ने भी प्रशासन एवं शिक्षा विभाग की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। विकासखंड में कुल 1384 विद्यार्थियों ने पंजीयन किया जिसमें 1176 उपस्थित रहे 208 अनुपस्थित रहे। नवोदय विद्यालय समिति द्वारा आयोजित यह परीक्षा ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उड़नदस्ता टीम द्वारा परीक्षा केंद्र 25080506 आई ई एम बी एच स्कूल कुटेला में जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा का निरीक्षण नायब तहसीलदार हरिप्रसाद भोय, बीआरसीसी देवानंद नायक, पटवारी दूधनाथ साहू द्वारा किया गया । प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण संपादित हो रही थी। परीक्षा में कुल 232 उपस्थित 189 अनुपस्थित 43 थे। इस अवसर में शांतिपूर्ण सुव्यस्थित संचालन के लिए नियुक्त समन्वयगण भोलानाथ नायक, किशोर कुमार पटेल एवं कैलाशचंद्र पटेल विशेष रूप से उपस्थित थे। परीक्षा केंद्र 25080505 एसटी विसेंट पलोटी हायर सेकेंडरी स्कूल कुटेला, जिसमे कुल परीक्षार्थी 192 उपस्थित 157, अनुपस्थित 35 थे। परीक्षा केंद्र 25080504 सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरायपाली कुल 240, उपस्थित 191, अनुपस्थित 49 थे। उड़न टीम में हरिप्रसाद भोय नायब तहसीलदार, देवानंद नायक बीआरसीसी, दूधनाथ साहू पटवारी ने निरीक्षण किया। परीक्षा केंद्र 250 80501 प्रतिभा हायर सेकेंडरी स्कूल बालसी में कुल 240 उपस्थित 288 अनुपस्थित 12 थे, 250 80 502 शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरायपाली में कुल 240 उपस्थित 205 अनुपस्थित 35 थे, 250 80 503 मा.स.गो. हायर सेकेंडरी स्कूल सरायपाली में कुल 240 उपस्थित 206 अनुपस्थित 34 का निरीक्षण विकासखंड शिक्षा अधिकारी टी.सी. पटेल, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी डी. एन. दीवान एवं गजेंद्र नायक पटवारी उड़न दस्ता टीम ने किया। नवोदय विद्यालय समिति छिन्दपाली (सरायपाली) के द्वारा निरंतर निगरानी की गई।

नशा मुक्ति कार्यक्रम का हुआ आयोजन विद्यार्थीयों एवं युवाओं को किया जागरूक

सरायपाली। नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में युवक युवती शामिल हुए इस कार्यक्रम का आयोजन प्रखंड संयोजिका नमिता साहू द्वारा किया गया,नमिता साहू ने बताया इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एसडीओपी ललिता मेहर रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नशा व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन को प्रभावित करता है, इसलिए युवाओं को इससे दूर रहकर अपने भविष्य को सुरक्षित बनाना चाहिए। ओर इस कार्यक्रम के आयोजन की प्रशंसा की ओर बधाई शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जिला संयोजिका अनिता चौधरी एवं दुर्गा वाहिनी की जिला सह संयोजिका ललिता सिदार ने भी अपने विचार व्यक्त किए और नशा मुक्त समाज निर्माण में महिलाओं एवं युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रगति कॉलेज की निदेशक मैडम टिलेश्वरी पटेल, कौशल विकास प्रशिक्षक सुजाता साहू, आईटीआई कॉलेज के प्राचार्य हिमांशु साहू तथा महाविद्यालय के समस्त स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी वक्ताओं ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर शिक्षा, कौशल और संस्कारों के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य निर्माण का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने नशा मुक्ति का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

आकांक्षा महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा स्थापित पोषण आहार निर्माण से यूनिट मिला रोजगार का अवसर

रायपुर। एकीकृत बाल विकास सेवाएँ (आई.सी.डी.एस) अंतर्गत आँगनवाडी केन्द्रों द्वारा दी जाने वाली छः सेवाओं में से पूरक पोषण आहार एक महत्वपूर्ण सेवा हैं । आँगनवाडी केन्द्रों के माध्यम से 6 माह से 3 वर्ष आयु के बच्चों, 3 वर्ष से 6 वर्ष आयु के बच्चों तथा गर्भवती व शिशुवती महिलाओं को पूरक पोषण आहार का प्रदाय किया जाता हैं । योजना के अंतर्गत 11 से 14 वर्ष आयु की शाला त्यागी किशोरी बालिकाओ तथा 14 से 18 आयु वर्ग की सभी किशोरी बालिकाओं को प्रतिदिन 5/- रू. के मान से पूरक पोषण आहार का प्रदाय किया जा रहा हैं। ज्ञातव्य है कि छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग के मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा विकासखंड भैयाथान के दर्रीपारा में आकांक्षा महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा पूरक पोषण आहार कार्यक्रम अंतर्गत स्थापित इस संयंत्र का गत लोकार्पण किया गया था। 366 आंगनबाड़ी केंद्रों को नियमित की जाएगी आपूर्ति जिला सूरजपुर की एकीकृत बाल विकास परियोजना भैयाथान अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों एवं महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आकांक्षा महिला स्वयं सहायता समूह, दर्रीपारा का चयन किया गया था। इस आकांक्षा महिला स्वयं सहायता समूह, दर्रीपारा द्वारा लगभग 90 लाख रुपये की लागत से मीठा शक्ति आहार एवं पौष्टिक नमकीन दलिया निर्माण हेतु आधुनिक यूनिट की स्थापना की गई थी। महिला बाल विकास विभाग द्वारा मिली जानकारी में बताया गया कि इस यूनिट के माध्यम से परियोजना भैयाथान के अंतर्गत संचालित 366 आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए लगभग 35 मीट्रिक टन मीठा शक्ति आहार एवं पौष्टिक नमकीन दलिया का निर्माण कर नियमित आपूर्ति की जाएगी। महिला स्वयं सहायता समूहों को रोजगार का अवसर इस संयंत्र के माध्यम से एकीकृत बाल विकास परियोजना भैयाथान के आंगनबाड़ी केंद्रों में पूरक पोषण आहार का वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। यह पहल बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार के साथ-साथ महिला स्वयं सहायता समूहों को रोजगार एवं आत्मनिर्भरता प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने द्वितीय नेशनल होम्योपैथिक सेमिनार का किया शुभारंभ

रायपुर। होम्योपैथिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट एसोसिएशन रायपुर द्वारा आयोजित द्वितीय नेशनल होम्योपैथिक सेमिनार का आयोजन 13 से 14 दिसंबर तक रायपुर में किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने शनिवार को इस सेमिनार का शुभारंभ किया। सेमिनार में होम्योपैथी के माध्यम से कैंसर उपचार की संभावनाओं सहित विभिन्न विषयों पर दो दिनों तक गहन चर्चा होगी। कार्यक्रम में डायरेक्टर आयुष सुश्री संतन देवी जांगड़े, आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी.के. पात्रे, एम.ए.आर.बी.एच. के प्रेसिडेंट डॉ. आनंद चतुर्वेदी, रजिस्ट्रार आयुष डॉ. संजय शुक्ला, डॉ. विजय शंकर मिश्र, डॉ. जे. पी. शर्मा सहित प्रदेश और देश के वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक एवं विशेषज्ञ शामिल हुए। सेमिनार को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा के क्षेत्र में होम्योपैथी का भविष्य में बड़ा योगदान होने वाला है। अनुभव और ज्ञान से ही मनुष्य ताकतवर बनता है, इसलिए होम्योपैथी के युवा चिकित्सकों को अपने वरिष्ठ और अनुभवी चिकित्सकों से सीख लेकर इस विद्या को आगे बढ़ाना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक बड़े केंद्र के रूप में उभर रहा है। पहले लोग इलाज के लिए राज्य से बाहर जाते थे, लेकिन अब प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं पर लोगों का भरोसा बढ़ा है। आसपास के राज्यों से भी मरीज इलाज के लिए छत्तीसगढ़ आ रहे हैं।

चाकूनुमा हथियार से लोगों को डराने धमकाने वाले युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायपुर। एसपी. के निर्देशन में धमतरी पुलिस द्वारा जिले में कानून-व्यवस्था एवं सार्वजनिक शांति बनाए रखने हेतु लगातार प्रभावी एवं सतर्क कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना भखारा क्षेत्रांतर्गत पुराना बस स्टैण्ड भखारा के पास एक युवक द्वारा हाथ में चाकूनुमा हथियार लेकर आम नागरिकों को डराये धमकाये जाने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही भखारा पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुँचकर त्वरित घेराबंदी करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया गया। आरोपी सार्वजनिक स्थान पर चाकूनुमा हथियार लहराकर आमजन में भय का वातावरण उत्पन्न कर रहा था, जिससे कानून-व्यवस्था एवं सार्वजनिक शांति भंग होने की स्थिति निर्मित हो रही थी। पुलिस द्वारा आरोपी के कब्जे से चाकूनुमा हथियार विधिवत जप्त किया गया। प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर आरोपी के विरुद्ध अप.क्र. 149/25 धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायिक रिमांड में जेल भेजा गया है । इस त्वरित एवं प्रभावी पुलिस कार्यवाही से क्षेत्र में मौजूद आम नागरिकों ने राहत की सांस ली तथा भखारा पुलिस की तत्परता एवं सजगता की सराहना की। धमतरी पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि अथवा असामाजिक तत्वों की जानकारी तत्काल निकटतम थाना अथवा पुलिस कंट्रोल रूम को दें, जिससे समय रहते आवश्यक वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

ऑस्ट्रेलिया-भारत शिक्षा एवं कौशल परिषद की 3वी बैठक में एनआईटी रायपुर को एसपीएआरसी परियोजना के लिए मान्यता

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की प्रमुख पहल एसपीएआरसी के अंतर्गत एक प्रतिष्ठित संयुक्त शोध परियोजना प्राप्त होने पर औपचारिक रूप से मान्यता प्रदान की गई है। यह घोषणा 8 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली में आयोजित ऑस्ट्रेलियाङ्कभारत शिक्षा एवं कौशल परिषद एआईईएससी की तीसरी बैठक के दौरान की गई। इस परियोजना को माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान एवं ऑस्ट्रेलिया के माननीय शिक्षा मंत्री श्री जेसन क्लेयर द्वारा संयुक्त रूप से स्वीकृत किया गया, जो दोनों देशों के बीच शिक्षा एवं शोध सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस उच्च-स्तरीय बैठक में उभरते एवं महत्वपूर्ण अनुसंधान क्षेत्रों में 9.84 करोड़ की दस नई संयुक्त शोध परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई।

पिछले दो वर्षों में दिए गए 5.79 लाख ग्रामीण घरेलू नल कनेक्शन

हमने बनाया है हम ही संवारेंगे,विकसित छग की परिकल्पना करेंगे पूरी

- उप मुख्यमंत्री ने विधानसभा में छत्तीसगढ़ अंजोर-2047 पर चर्चा में लिया हिस्सा, अपने विभागों का रोडमैप किया साझा
- आरकेसी के जशपुर भवन से नए विधानसभा भवन की यात्रा को समाहित कर श्री साव ने बताया विजन-2047

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन में पहली बार आयोजित सत्र के पहले दिन आज छत्तीसगढ़ सरकार के विजन डॉक्युमेंट 'छत्तीसगढ़ अंजोर-2047' पर दिनभर चर्चा हुई। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने चर्चा में भाग लेते हुए 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए अपने विभागों के रोडमैप साझा किए। उन्होंने कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक है। आज से ठीक 25 साल पहले 14 दिसम्बर 2000 को छत्तीसगढ़ विधानसभा का पहला सत्र प्रारंभ हुआ था। राजकुमार कॉलेज के जशपुर हॉल में टेंट से शुरू हुआ विधानसभा का सफर आज अपने स्वयं के इतने विशाल, भव्य और आधुनिक भवन में पहुंच गया है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सदन में कहा कि आज का दिन श्रद्धेय स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी को नमन करने का दिन है। उनके कारण यह दिन आया है। विधानसभा का 25 सालों का सफर टेंट से प्रारंभ होकर इस विशाल इमारत तक पहुंचा है। इसका श्रेय अटलजी को जाता है। उन्होंने कहा कि विजन-2047 विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का रोडमैप है। छत्तीसगढ़ राज्य को

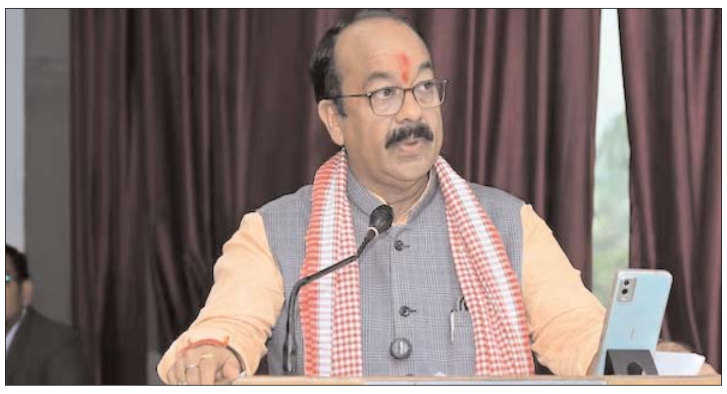

हमने बनाया है और इसे हम ही संवारेंगे और विकसित करेंगे। इसके लिए हमने ठोस रणनीति और चरणबद्ध योजनाएं बनाई हैं। सरकार के दृष्टि-पत्र 'छत्तीसगढ़ अंजोर-2047' से भी इसमें बड़ी मदद मिलेगी। श्री साव ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ तेजी से विकास कर रहा रहा है। देश में हौसलेवाला प्रधानमंत्री है जिन्होंने विकसित भारत का संकल्प लिया है। छत्तीसगढ़ में विष्णु के सुशासन के साथ हमारे मुख्यमंत्री ने विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प लिया है। हमारी यात्रा ज्ञान यानि गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के सशक्तीकरण पर केंद्रित है। श्री साव ने सदन में राज्य के शहरों में विकास की कार्ययोजना साझा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ तीव्र गति से विकसित होता हुआ राज्य है जहाँ वर्तमान में कुल 193 नगरीय निकाय हैं। इनमें 14 नगर निगम, 56 नगर पालिका तथा 123 नगर पंचायत शामिल हैं। हमारी शहरी जनसंख्या वर्तमान में लगभग 78.10 लाख है, जो वर्ष 2047 तक 1.3 करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। जनसंख्या में इस तीव्र वृद्धि से यह स्पष्ट होता है कि बुनियादी सेवाओं, आवास, आधारभूत संरचना, शहरी परिवहन, पर्यावरणीय प्रबंधन तथा डिजिटल शासन के क्षेत्रों में व्यापक और चरणबद्ध सुधारों की नितांत आवश्यकता है। उन्होंने सदन में बताया कि नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग का उद्देश्य वर्ष 2047 तक ऐसे शहरी तंत्र का निर्माण करना है जो आधुनिक, सुरक्षित, समावेशी, स्वच्छ, हरित, जलवायु सहिष्णु तथा तकनीकी रूप से सक्षम हो। पिछले दो दशकों में शहरीकरण की दर 23 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 27.1 प्रतिशत हो चुकी है तथा शहरी स्थानीय निकायों की संख्या 97 से बढ़कर 193 तक पहुँच गई है। यह प्रत्यक्ष संकेत है कि आने वाले वर्षों में राज्य के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के प्रमुख संवाहक शहर ही होंगे।

छग के जंगलों की कटाई राजस्थान के लिए नहीं अडानी को लाभ पहुँचाने-चंद्राकर........

- छग हरे-भरे वनों की कटाई के बजाय पीएम सूर्य घर योजना से राजस्थान को करे रौशन

रायपुर। संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने भाजपा की साय सरकार द्वारा छग के वनों की अंधाधुंध कटाई व बेहिसाब खनिज संपदा के दोहन पर कहा कि छग की विष्णुदेव सरकार अदानी के संरक्षक व राजस्थान सरकार के पोषक की तरह काम कर रही है। स्थानीय निवासियों के हितों से इस सरकार को कोई सरोकार नहीं दिख रहा है। श्री चंद्राकर ने कहा कि पूर्ववर्ती भूपेश सरकार द्वारा 400 यूनिट खपत तक बिजली बिल हाफ योजना को भाजपा की साय सरकार द्वारा समाप्त किए जाने के सवालों पर मुख्यमंत्री कहते थे कि प्रदेश को हाफ बिजली बिल योजना से अलग मुफ्त बिजली की दिशा में प्रदेश सरकार कार्य कर रही है। सरकार के मंत्री यह कहते नहीं थकते थे कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत प्रदेश वासियों को सौर ऊर्जा के माध्यम से मुफ्त बिजली यूनिट लगाने के लिए सरकार अनुदान दे रहा है, तथा मुफ्त बिजली उत्पादन कर जनता अपने घर की जरूरत के हिसाब बिजली का उपयोग कर सकेंगे तथा अतिरिक्त बिजली को बेचकर आय प्राप्त कर सकेंगे। इससे

सरकारी बिजली पर निर्भरता खत्म होगी तथा एक दिन पूरे प्रदेश में सौर ऊर्जा से संचालित बिजली यूनिट के माध्यम से लोग अपने घरों को रोशन कर सकेंगे। श्री चंद्राकर ने सवाल किया कि यदि छत्तीसगढ़ की साय सरकार छग के बिजली उपभोक्ताओं को प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के माध्यम विद्युत उत्पादन कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम कर रही है तो राजस्थान की भाजपा सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी योजना पीएम सूर्य घर योजना के तहत वहां के नागरिकों को इसके लिए प्रेरित क्यों नहीं कर रही। क्या केवल छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री के सारे मंसूबों पर कार्य किया जा रहा है? और यदि राजस्थान में भी पीएम सूर्यघर योजना के तहत कार्य हो रहे हैं तो छत्तीसगढ़ के हरे-भरे जंगलों, देवस्थलों के वनों की अंधाधूंध कटाई क्यों किया जा रहा है। क्योंकि, राजस्थान को जितने कोयले की आवश्यकता है, उसकी पूर्ति पी.ई.के.बी. से पूरी हो रही। नए खदान की जरूरत नहीं थी। 2022 में कांग्रेस सरकार ने केंद्र को पत्र लिख कर परसा कोल ब्लॉक का आवंटन रद्द करने की मांग की थी।

जिले में धान खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त सुविधाएं,अवैध धान पर सख्त कार्रवाई जारी

- सीमाओं एवं चेक पोस्ट पर 24 घंटे कड़ी निगरानी
- शिकायत दर्ज कराने के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

रायपुर। संवाददाता

कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देशन में जिले के समस्त धान खरीदी केंद्रों में पर्याप्त सुविधाओं के साथ धान खरीदी का कार्य सुचारु रूप से किया जा रहा है। शासन द्वारा किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाया गया है। इसके साथ ही जिले में अवैध धान भंडारण, खरीदी एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई भी की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा अब तक कुल 3376.6 क्विंटल धान जप्त किया जा चुका है। इसी क्रम में विगत दिवस 13 दिसंबर 2025 को ग्राम डबरीपारा निवासी अजय कुमार साहू, पिता बैजनाथ साहू (उम्र लगभग 32 वर्ष) के दुकान एवं गोदाम में बिना लाइसेंस अवैध रूप से धान खरीदकर भंडारित किए जाने पर 270 बोरी धान, जिसका वजन लगभग 108 क्विंटल है, जप्त किया गया। इसी दिन ग्राम गंगौटी, तहसील भैयाथान निवासी शिवबरन सिंह, पिता रामशरण सिंह (उम्र 37 वर्ष) के दुकान, गोदाम एवं आंगन में बिना लाइसेंस अवैध रूप से धान खरीदकर भंडारित किए जाने के मामले में 740 बोरी धान, जिसका वजन लगभग 296 क्विंटल है, जप्त किया गया। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले की सीमाओं एवं सभी चेक पोस्टों पर अवैध धान भंडारण एवं परिवहन को रोकने के लिए 24 घंटे सतत निगरानी की जा रही है। संदिग्ध वाहनों एवं परिवहन गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। आंतरिक चेक पोस्टों पर भी टीमों की तैनाती की गई है। निगरानी दल द्वारा रात्रिकालीन गश्त के साथ-साथ संदिग्ध वाहनों की सघन जांच की जा रही है। कोचियों एवं बिचौलियों के माध्यम से अवैध रूप से धान खपाने की घटनाओं पर रोक लगाने तथा धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की स्थापना की गई है, जिससे खरीदी, भंडारण एवं परिवहन की रियल टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सकेगी।

बिजली बिल सरकार प्रायोजित लूट के उदाहरण-सुशीलआनंद

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बिजली बिल सरकार प्रायोजित लूट के उदाहरण है। हर जगह बिजली उपभोक्ताओं की शिकायत है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से उनकी खपत वास्तविक खपत से अधिक बताई जा रही है, स्मार्ट मीटर सामान्य मीटर की तुलना में बहुत तेजी से चल रहा है। बिजली उपभोक्ताओं का यह अधिकार है कि अपनी वास्तविक खपत को जान सके। चेक मीटर का प्रावधान पहले से ही था, लेकिन यह सरकार अपनी लूट पर परदेदारी करने के लिए चेक मीटर लगाने और मीटर चेक करवाने उपभोक्ताओं से 1000 और 1500

रुपए शुल्क लेने का प्रावधान कर दिया गया है, यदि मीटर में गड़बड़ी का आरोप उपभोक्ता लगा रहे हैं, तो उसे मुफ्त में चेक किया जाए, किसी भी तरह से अतिरिक्त शुल्क अनुचित है। यह प्रावधान सरकार ने गड़बड़ी छुपाने के लिये किया है। मीटर चेक शुल्क का प्रावधान तत्काल वापस ले सरकार। भाजपा सरकार बिजली बिल के नाम पर जनता को लूट रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकार ने बिजली के दाम चार बार बढ़ा दिया। 400 यूनिट हाफ योजना को बंद कर दिया। स्मार्ट मीटर लगा दिया इन सबसे बिजली के दाम बेतहाशा बढ़ गए, जनता परेशान है। सरकार, जनता को राहत देने के बजाय अब बिजली के दामों में 12 प्रतिशत विद्युत ईंधन अधिभार (एफ्पीपीएस) के रूप में अतिरिक्त चार्ज इस महीने से लगाने जा रही, इससे बिजली के दाम एक बार फिर से बढ़ेंगे। कांग्रेस, सरकार के इस निर्णय का विरोध करती है। सरकार, कोयले का सेस कम होने के कारण बिजली का दाम कम तो नहीं कर रही। ऊपर से एक नया टैक्स लगा रही।

शिकार के लिए निकले दो लोगों की जंगल में मिली लाश

रायपुर। जिले के संबलपुरी इलाके के चक्रधर नगर थानाक्षेत्र के राजस्व जंगल में 2 ग्रामीणों की लाश मिली है। मृताकें की पहचान पुनीलाल यादव उर्फ मंत्री यादव (51 साल) और संदीप उरांव (24 साल) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार 9 दिसंबर की सुबह 4 बजे सात लोग शिकार के लिए निकले थे। लेकिन शाम तक ग्राम छोटे रेगड़ा के रहने वाले पुनीलाल और संदीप घर नहीं लौटे थे। 2 दिन खोजबीन के बाद 12 दिसंबर की शाम परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इस बीच अगले दिन 13 दिसंबर को जानकारी मिली कि दोनों की लाश संबलपुरी के राजस्व जंगल में मिली है।

10-10 लाख के दो विकास कार्य की घोषणा

पीएमजीएसवाई अंतर्गत ग्रामीण सड़कों से बदलेगी तस्वीर-ओपी चौधरी

- वित्त मंत्री ने भाठनपाली-बिंजकोट में 6.26 करोड़ रुपए के सडक निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

रायपुर/ संवाददाता

ग्रामीण अंचलों में आवागमन की सुविधा को मजबूत करने और विकास कार्यों को नई गति देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ जिले के पुसौर विकासखंड के ग्राम भाठनपाली एवं बिंजकोट में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 6 करोड़ 26 लाख रुपए से अधिक की लागत से बनने वाले सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन कर जिले को महत्वपूर्ण विकास सौगात दी। इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने भाठनपाली में 10 लाख रुपए की लागत से शेड निर्माण और बिंजकोट में 10 लाख रुपए के आवश्यक विकास कार्यों के लिए देने की घोषणा की। साथ ही ग्रामीणों की सीसी रोड की मांग को भी शीघ्र पूरा करने का आश्वासन दिया। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत बिंजकोट में 6 हितग्राहियों को गैस कनेक्शन भी वितरित किए गए। भाठनपाली में एनएच-49 से मोहंदाभाठा बस्ती तक 2.25 किलोमीटर सड़क तथा धनुहारडेरा से भाठनपाली तक 1.80 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया है, जिसकी कुल लागत 3.28 करोड़ रुपए है। वहीं बिंजकोट में एकताल रोड से बिंजकोट बस्ती तक तथा एकताल से सांपखोड़-सकरबोंगा तक सड़कों के निर्माण पर 2.98 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए जाएंगे। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने सभी निर्माण कार्यों को 12 माह के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या कमीशनखोरी

बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद से प्रदेश की जनता के हित में लगातार फैसले लिए जा रहे हैं। 12 लाख किसानों को 3716 करोड़ रुपए का बकाया बोनस, 21 क्विंटल प्रति एकड़ , 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी का भुगतान, श्री रामलला दर्शन योजना, 18 लाख गरीब परिवारों के लिए आवास और महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु महतारी वंदन योजना इसके प्रमुख उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और जनहित कार्यों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं होगी। विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए सरकार सबको साथ लेकर, सबके विकास के लक्ष्य के साथ निरंतर कार्य कर रही है।कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री विजय अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य श्री बृजेश गुप्ता, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हेमलता चौहान, ग्रामों के सरपंच सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

रेंगालपाली में सर्वसुविधायुक्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का लोकार्पण

वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने आज रायगढ जिले के पुसौर विकासखंड के ग्राम रेंगालपाली में निर्मित एक करोड़ 21 लाख 16 हजार रुपये की लागत वाले सर्वसुविधायुक्त शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि स्मार्ट क्लास एवं प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी की सराहना की। नव निर्मित विद्यालय भवन को आधुनिक शैक्षणिक मानकों के अनुरूप डिजाइन किया गया है। इसमें 9 सुसज्जित कक्षाएँ, स्मार्ट क्लास, दो आधुनिक प्रयोगशालाएँ, समृद्ध लाइब्रेरी, प्रिंसिपल एवं स्टाफ कक्ष, बालक-बालिका प्रसाधन कक्ष जैसी प्रमुख सुविधाएँ शामिल हैं।

संपादकीय

इंडिगो संकट ने किया एकाधिकार के खतरे को उजागर

इंडिगो के कारण भारत के विमानन क्षेत्र में संकट आ गया है। इससे एकाधिकार का खतरा बढ़ा है। कंपनी ने नए नियमों के अनुसार स्टाफ की भर्ती नहीं की। सरकार ने जांच के लिए एक समिति बनाई है। इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 65 प्रतिशत है।इंडिगो की वजह से भारत के विमानन क्षेत्र में पैदा हुए हालिया संकट ने फिर से एकाधिकार के खतरे को उजागर कर दिया है। इंडिगो का मामला लापरवाही, बाजार में अपनी मजबूत स्थिति का बेजा फायदा उठाने की कोशिश और जिम्मेदारियों से भागने का बड़ा उदाहरण है। संकट के दौरान भी, जब तक सरकार ने दखल नहीं दिया, कंपनी का रवैया ठीक नहीं रहा। डीजीसीए के नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियम सभी एयरलाइंस पर लागू होने थे और इसके लिए सभी को पर्याप्त समय भी दिया गया था। लेकिन, इंडिगो ने नए नियमों के हिसाब से स्टाफ की भर्ती नहीं की, जिससे मौजूदा संकट इतना बड़ा हो गया। सरकार ने एक कमिटी बनाई है, जो इस बात की जांच करेगी कि कहीं इंडिगो ने जानबूझकर तैयारियों में देरी तो नहीं की, ताकि अथॉरिटीज पर प्रेशर बनाया जा सके। यह आशंका इस वजह से उठती है, क्योंकि केबिन क्रू और पायलटों की कमी को एकाएक पूरा नहीं किया जा सकता। क्या एयरलाइंस इस बात का इंतजार कर रही थी कि क्राइसिस हो ताकि उसे नियमों में छूट मिल सके? भारतीय विमानन क्षेत्र में इस समय इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 65 प्रतिशत है। उसके बेड़े में 417 विमान हैं और सामान्य दिनों में हर दिन 2200 उड़ानें भरी जाती हैं। संकट खड़ा होने पर पहली प्रतिक्रिया भी हैरान-परेशान करने वाली रही। हजारों यात्री जहां-तहां फंस गए, रिफंड के लिए परेशान होते रहे, जबकि कंपनियां मनमाना किराया वसूलने लगीं। सरकार की तरफ से फिलहाल नए नियमों में थोड़ी रियायत दी गई है, ताकि स्थिति सामान्य हो सके। फौरी तौर पर जनता को राहत देने के लिए यह भले सही हो, लेकिन नए एफडीटीएल नियमों से किसी सूरत में समझौता नहीं किया जाना चाहिए। ये नियम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप और पायलटों की सेहत व उड़ान सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। सरकार ने इंडिगो से जवाब भी मांगा है, लेकिन यह समय नीतियों के मूल्यांकन का भी है। अगर कंपनी नए नियमों के लिए तैयारी नहीं कर रही थी, तो क्या अथॉरिटीज को इसकी खबर नहीं थी? क्या डीजीसीए के निगरानी सिस्टम में सुधार की जरूरत है? मौजूदा संकट याद दिलाता है कि किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार होना कितना खतरनाक हो सकता है, जबकि कंपनियों के बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा हो तो ग्राहकों को वाजिब कीमत पर अच्छी सर्विस मिलती है। देश में हवाई क्षेत्र की तरक्की की रफ्तार बहुत अच्छी है।

मानसिक गुलाम बनाने वाली मैकाले की शिक्षा पर ताला

जैसे भारत में पैठ जमा चुकी उस पश्चिमी मानसिकता पर ताले लगाने के राष्ट्रीय संकल्प की जरूरत है, जो स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को ध्वस्त करती हुई औपनिवेशिक शिक्षा को लागू करने की थॉमस मैकाले की परियोजना के माध्यम से लागू हुई थी। भारत की शैक्षिक और सांस्कृतिक नींव को खोखला करने के लिए मैकाले द्वारा किए गए अपराध को 2035 में 200 वर्ष पूरे हो जाएंगे। अतएव आने वाले दस सालों में गुलामी की इस औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होने के राष्ट्रीय संकल्प की जरूरत है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ये विचार एक्सप्रेस समूह के संस्थापक रामनाथ गोयनका की स्मृति में दिए व्यख्यान में व्यक्त किए थे।

(प्रमोद भार्गव)

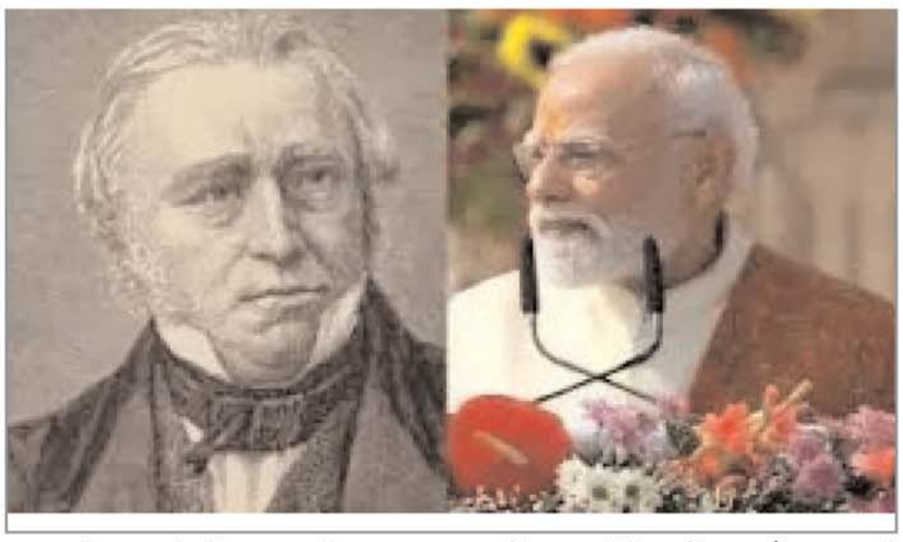

फिरंगी हुकूमत के दौरान इंग्लिश एज्युकेशन एक्ट - 1835 के तहत भारत में संस्कृत,हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं की शिक्षा नष्ट कर अंग्रेजी शिक्षा की बुनियाद रखी गई थी। इस दासता को 190 वर्ष से हम ढोते चले आ रहे हैं।अतएव अब इससे मुक्ति का समय आ गया है।

मैकाले की एक किताब है 'द लाइफ एंड लैटर्स ऑफ लार्ड मैकाले'। इस किताब में मैकाले ने भारत की अंग्रेजी शिक्षा पद्धति लागू करते हुए तीन भविष्यवाणियां की थीं, जो खरी उतरीं। उनकी पहली भाष्यवाणी थी कि मेरी इस नई शिक्षा प्रणाली के चलते डेढ़ सौ साल बाद भारतीय व्यक्ति अपने धर्म से विमुख हो जाएगा। उसके घर में अपने धर्म ग्रंथ होंगे, लेकिन वे उन्हें पढ़ेंगे नहीं। दूसरी भविष्यवाणी है, उसे अपनी भाषा बोलने में असुविधा होगी। वह शर्म महसूस करेगा। वह अपनी भाषा में बोल नहीं पाएगा। दूसरी भाषाओं के शब्द उधार लेने पड़ेंगे। तीसरी है,भारतवासी अपनी पारंपरिक वेशभूषा पहनना भूल जाएंगे। पुरुष अपनी वेशभूषा लगभग भूल गए हैं। महिलाएं जरूर अपनी परंपरा को बनाये रखे हुए हैं। याद रहे जिस देश के वासी अपनी भाषा, धर्म और वेशभूषा भूल जाते हैं, उनकी संस्कृति भी धीरे-धीरे नष्ट हो जाती है। लेकिन हम हैं कि अपनी संस्कृति के पराभव से निश्चिंत हैं। अतएव प्रधानमंत्री के संकल्प में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है।

इस परिप्रेक्ष्य में मार्क्सवादी वामपंथी सोच के शिक्षाविद्, इतिहासज्ञ एवं साहित्यकार भी गुलाम भारत में थोपी हुई शैक्षिक रूढ़ियों को एक जन्मजात संस्कार की तरह ढोते रहे हैं। नेहरू मंत्रिमंडल के आरंभिक केंद्रीय शिक्षा मंत्रियों ने इस विचार का बढ़-चढ़कर पोषण किया। इसी का परिणाम रहा कि फिरंगी दासता से छुटकारा नहीं मिल पा रहा है। हालांकि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत राष्ट्र की लुप्त कर दी गई सांस्कृतिक संपदा के महत्व को अंगीकार करते हुए ज्ञान, कर्म, संस्कार, भाषा, संस्कृति और कौशल दक्षता को विद्यार्थी में विकसित करने का काम मातृभाषाओं में शिक्षा के माध्यम से कर दिया है। लेकिन शिक्षा में अंग्रेजी माध्यम से विद्यार्थी को शिक्षित करने की आम भारतीय की गुलाम मानसिकता अभी भी बनी हुई है। इसीलिए देखने में तो शिक्षित भारतवासी भारतीय हैं, किंतु उनके मन में मानसिक गुलामी आज भी बनी हुई है। व्यक्तित्व निर्माण की यही बाधा व्यक्ति में राष्ट्रबोध का पूर्णतः प्रादुर्भाव नहीं कर पा रही है। अतएव दासता के इस शैक्षिक निर्मूलन से मूल्य-बोध के संस्कारों से सांस्कृतिक चेतना का लोक व्यापीकरण होगा और सनातन मानवीय मूल्यों की सुरक्षा के साथ भारतीय भाषाएं भी अपना अस्तित्व बनाए रखेंगी। ये मूल्य न केवल व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाएंगे, बल्कि देश को भी आत्मनिर्भरता के शिखर पर पहुंचाएंगे। देश की सांस्कृतिक संप्रभुता की पहचान को भी अक्षुण्ण बनाए रखने का काम करेंगे।

भारत में अंग्रेजों का शासन स्थापित होने के बाद एक समय तक अंग्रेजों की भाषा-नीति में बदलाव होता रहता था। सन् 1833 में मैकाले मिनिट्स के होते हुए ईस्ट इंडिया कंपनी ने अदालती तथा अन्य शासकीय कार्यों में अरबी-फारसी का मिश्रित रूप अपनाया था। हिंदू राजाओं के साथ ईस्ट इंडिया कंपनी अपने पत्र-व्यवहार में स्थानीय बोलियों के शब्दों का भी प्रयोग करती थी।किंतु 1835 में इंग्लिश एज्युकेशन एक्ट लागू होने के बाद से स्थितियां बदलती चली गईं। हालांकि 1880 में कलकत्ता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना हुई। उस समय अंग्रेजी शासन की राजधानी कोलकाता थी। जॉन गिलक्राइस्ट उस कॉलेज के भाषा विभाग के अध्यक्ष थे। उन्होंने खड़ी बोली के प्रयोग को प्रोत्साहित किया और कंपनी सरकार की भाषा नीति तय करने में आवश्यक सुझाव दिए। वह हिंदी को हिंदुई तथा हिंदुस्तानी कहते थे और उसके लिए रोमन लिपि को आवश्यक मानते थे, किंतु न तो हिंदी का नाम बदल सके और न ही लिपि।

गिलक्राइस्ट के बाद ही, मैकाले की भाषा-नीति मानी गई और उच्च शिक्षा से संस्कृत एवं हिंदी का माध्यम समाप्त कर दिया गया। वैदिक संस्कृत, गणित एवं समाज विज्ञान की शिक्षाओं को धार्मिक शिक्षा की श्रेणी में रखकर नकार दिया गया। उन्नीसवीं शताब्दी के चौथे दशक में सरकारी कामकाज में उर्दू को वरीयता दी गई और हिंदी को उपेक्षित कर दिया गया। उस युग में बनारस हिंदी का केंद्र था और बनारस की दो बड़ी हस्तियां हिंदी में लिख रहीं थीं। एक थे राजा शिवप्रसाद और दूसरे भारतेंदु हरिशचंद्र। राजा शिवप्रसाद अंग्रेजी सरकार की सेवा में थे और अंग्रेजों की भाषा नीति का समर्थन करते हुए उन्होंने उर्दू का पक्ष लेते हुए हिंदी की निंदा की। उनकी वफादारी देखकर सरकार ने उन्हें 'सितारे हिंद' की उपाधि दी। हरिश्चंद्र ने सरकार की भाषा-नीति का विरोध किया और जगह-जगह जाकर हिंदी के समर्थन में सभाएं कीं। जनता ने हरिश्चंद्र को 'भारतेंदु' की उपाधि से विभूषित किया। भारतेंदु की लोकप्रियता के सामने सितारे हिंद अस्त-पस्त हो गए। जॉन गिलक्राइस्ट जैसे अनेक अंग्रेज हिंदी के समर्थक थे। ऐसे अंग्रेजों में हेनरी पिनकोट ने भारतेंदु के समर्थन में हिंदी के पक्ष में बहुत काम किया।

जिस राष्ट्रीय चेतना को हम स्वतंत्रता आंदोलन के संदर्भ में लेते हैं, उस तरह के लेखन का भारतीय अंग्रेजी लेखकों में सर्वथा अभाव था। हालांकि 'वंदे मातरम' गीत के रूप में भारत को उसकी व्यापक राष्ट्रीयता की पहचान देने वाले बांग्ला उपन्यासकार बंकिमचंद्र चटर्जी न केवल बंगाल के चुनिंदा लेखकों में से एक थे, बल्कि उन्हें भारतीय अंग्रेजी साहित्य के शुरूआती लेखन का श्रेय भी जाता है। उन्होंने 'राजमोहन वाइफ' उपन्यास अंग्रेजी में लिखा था। किंतु राष्ट्रीय स्वाभिमान के चलते कालांतर में उन्होंने केवल बांगला और संस्कृत में लिखने का संकल्प लिया। अंग्रेजी में रचना-सृजन पर पूरी तरह विराम लगा दिया। भाषाई अस्मिता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रकल्प का यह ऐसा अनूठा संकल्प था, जिसने वंदे मातरम के माध्यम से फिरंगी सत्ता को चुनौती देते हुए जनमानस में सर्वाधिक राष्ट्रबोध जगाने का काम किया।

आर्थिक उदारवादी नीतियां लागू होने के बाद देश में आवारा पूंजी का दबाव इस हद तक बढ़ा कि हम पूंजी आधारित लिप्सा और औपनिवेशिक शक्तियों की व्यवस्था को विकास व प्रगति का आदर्श मानक मानने लगे। नतीजतन आर्थिक विशंगति बढ़ी और असंतोष उपजा। माओवाद बनाम नक्सलवाद की जड़ें गहरी करने में इस असंतोष ने उर्जा का काम किया। वामपंथी चरमपंथ ने इस असंतोष को अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए भुनाने का काम किया। समरसता व समावेशन संबंधी जो मूल अवधारणाएं हैं, उन्हें इस चरमपंथ ने समूल नष्ट करते हुए वर्ग संघर्ष पैदा करने का काम किया। विषमता और वैमनस्यतापूर्ण समाज-रचना को बढ़ावा दिया। भावनात्मक इस विद्वेश ने स्वतंत्र वैचारिक मानसिकता को कुंठित करने का काम किया। जबकि विचार-निर्माण के लिए शैक्षिक परिसरों में लोकतांत्रिक खुलेपन की जरूरत है, जिससे शिष्य, शिक्षक से प्रश्न करने में कोई संकोच न करे। दुर्भाग्य से हमने आज्ञाकारी शिष्य को आदर्श माना हुआ है। यह आज्ञाकारिता नव-सृजनशीलता के लिए बाधक है। यही कारण है कि हम नवोन्वेष, वैज्ञानिक अनुसंधान और देशज उत्पादकता में लगातार पिछड़ते जा रहे थे, इसमें अब मोदी के नेतृत्व में गति आ रही है।

ब हमारी पूरा शिक्षाजन्य ढांचा, आज्ञापालन को प्रोत्साहित व पुरस्कृत करता है। स्वातंर्त्य-चेता विद्यार्थी की नूतन पहल, जिज्ञासा और प्रश्नाकूलता को फटकारा जाता है। विचार नियंत्रण की यह क्रूरता नव-सर्जक की भ्रूण-हत्या कर देती है। यही कारण है कि हम आजादी के बाद न तो नचिकेता, अष्टावक्र और विवेकानंद पैदा कर पाए और न ही सीवी रमन, जगदीश चंद्र बसु और रामानुजन ? दरअसल औपनिवैशिक शिक्षा पद्धति और अंग्रेजी की अनिवार्यता के चलते हमारे शिक्षा संस्थान महज डिग्रीधारी नकलचियों की फौज खड़ी करने में लगे हैं। वे रोबोट और क्लोन बनाने की दक्षता को ही श्रेष्ठता का पर्याय मानकर चल रहे हैं, क्योंकि रोबोट विरोध नहीं करते और क्लोन से विकसित प्राणी प्रकृति प्रदत्त विलक्षणता खो देते हैं, अतएव उनकी मौलिक सृजनशीलता बचपने में ही कुंठित हो जाती है। आज्ञापालकों के ये उत्पाद अंततः सृजन से जुड़ी वैचारिकता के लिए आघातकारी सिद्ध होते हैं, केवल कैरियर बनाना और पैसा कमाना इनका मुख्य ध्येय रह जाता है, जो व्यक्तिगत उपलब्धियां हैं। नरेंद्र मोदी ने अब आने वाले 10 साल में मैकाले की शैक्षिक एवं अंग्रेजी मानसिकता से मुक्ति का जो संकल्प लिया है, उससे जरूर बदलाव की उम्मीद की जा सकती है।

भारत की कृषि-वैज्ञानिक धोखाधड़ी और कॉर्पोरेट शिकंजे का खतरा

(निलेश देसाई)

भारत की कृषि आज अभूतपूर्व संकट से गुजर रही है। एक ओर, वैज्ञानिक संस्थानों की साख पर सवाल उठ रहे हैं, तो वहीं, कॉर्पोरेट नियंत्रण की परतें किसान की जमीन और बीज तक फैल चुकी हैं। हाल ही में 'कोएलिशन फॉर ए जीएम-फ्री इंडिया' द्वारा उजागर की गई भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की जीनोम-संपादित धान परीक्षणों में हुई अनियमितताओं ने इस संकट की जड़ को सामने रख दिया है–जहाँ मुनाफा विज्ञान और जनहित दोनों पर भारी पड़ने लगा है।

आईसीएआर, जो देश के कृषि अनुसंधान की रीढ़ मानी जाती है, अब अपने ही डाटा और निष्कर्षों में हेरफेर के आरोपों में घिर गई है। दो चर्चित जीनोम-संपादित किस्मों–पुसा डीएसटी-1 और डीआरआर धन 100 'कमला'–के उत्पादन संबंधी दावे वास्तविक परिणामों से मेल नहीं खाते। रिपोर्टों में स्वीकार किया गया कि 'उत्पादकता में कोई बढ़त नही' थी, बल्कि एक किस्म का औसत उत्पादन तो घटा हुआ पाया गया।

इससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि अधूरे परीक्षणों और सीमित डाटा के बावजूद इन किस्मों को 'सफल' बताया गया। इस प्रकार की वैज्ञानिक अपरिपक्वता न केवल नीति-निर्माण को गुमराह करती है, बल्कि कृषि अनुसंधान संस्थानों की साख को भी कमजोर करती है, जिन पर देश की खाद्य सुरक्षा टिकी है।

यह वैज्ञानिक असावधानी कोई अलग-थलग घटना नहीं, बल्कि उस व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा है जिसमें किसान की भूमिका 'उत्पादक' से 'ग्राहक' में बदल दी जा रही है। बड़ी कंपनियाँ, जैसे बायर, बीज और डिजिटल प्लेटफॉर्म दोनों पर नियंत्रण बढ़ा रही हैं। हर सीजन में नया बीज खरीदने की मजबूरी ने किसान की बीज संप्रभुता को छीन लिया है। डिजिटल कृषि प्लेटफॉर्म अब किसानों के डेटा तक पहुँच रखकर उनके निर्णयों पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण कर रहे हैं।

इसे 'आधुनिकता' के नाम पर जायज़ ठहराया जा रहा है, जबकि यह वास्तव में पौष्टिक भूमि, पारंपरिक ज्ञान और सामुदायिक स्वावलंबन पर हमला है। नतीजा- जैवविविधता में कमी, भूमि की थकान, और किसान की आर्थिक गुलामी का गहराता दायरा।

सरकारी प्राथमिकताएँ किसानों की आय और स्थायित्व के बजाय तकनीकी प्रयोगवाद की ओर झुकी दिखती हैं। कृषि विशेषज्ञ देवेंद्र शर्मा के अनुसार, असली संकट किसान की आय असमानता है–न कि बीज के प्रकार या प्रयोगों की संख्या। एमएसपी की कानूनी गारंटी के अभाव में किसान बाजार की कृपा पर निर्भर है, जबकि नीति मशीनरी उसका भरोसा कॉर्पोरेट 'इनोवेशन' पर टिका रही है। कृषक जीवन और भूमि के प्रति जो नैतिक रिश्ता सदियों से रहा है, वह टूटता जा रहा है–जहाँ खेती अब समाज सेवा या आत्मनिर्भरता नहीं, बल्कि महज उत्पादन की मशीन बनती जा रही है।

देश को अब यह तय करना होगा कि उसकी कृषि का भविष्य किसके हाथ में रहेगा–किसान के या कॉर्पोरेट मुनाफाखोरों के। खाद्य संप्रभुता का अर्थ है कि किसानों को बीज और भूमि पर निर्णय का अधिकार वापस मिले; स्थानीय बाजारों को प्राथमिकता दी जाए; और ऐसी कृषि नीति बने जो पुनर्योजी खेती, जैविक विविधता और संसाधन संरक्षण को केंद्र में रखे। इसके साथ ही, वैज्ञानिक संस्थानों में जवाबदेही और पारदर्शिता की संस्कृति विकसित करनी होगी। जीनोम संपादन या जैव प्रौद्योगिकी पर सभी प्रयोग सार्वजनिक समीक्षा और सख्त नियंत्रण के अधीन हों।

अंततः भारत की कृषि इस समय एक निर्णायक मोड़ पर है। एक रास्ता हमें कॉर्पोरेट नियंत्रण, वैज्ञानिक धोखाधड़ी और किसानों की पराधीनता की ओर ले जाता है; दूसरा खाद्य स्वराज्य, किसान स्वाभिमान और टिकाऊ पारिस्थितिकी की ओर। बीज की यह लड़ाई केवल खेत की नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय पहचान की लड़ाई भी है–यह तय करेगी कि हम मुनाफे के युग में खोएंगे या भूमि से जुड़े समाज का भविष्य बचाएंगे। लेखक कृषि मामलों के जानकार हैं।

मोहन यादव ने मिटा दी है आमजन से सत्ता की दूरी

कृष्णमोहन झा/

मध्यप्रदेश भाजपा के लोकप्रिय राजनेताओं की कतार में अग्रणी डा मोहन यादव ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्य काल के दो वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इन दो वर्षों में मोहन यादव की सरकार द्वारा किए गए उल्लेखनीय फैसलों की लंबी फेहरिस्त निसंदेह उन्हें सराहना का हकदार बनाती है लेकिन मुख्यमंत्री मोहन यादव किसी सराहना के अभिलाषी नहीं हैं। उनकी एकमात्र अभिलाषा यही है कि दो वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस विश्वास के साथ उन्हें विशेष मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री पद की बागडोर सौंपी थी उस विश्वास की कसौटी पर वे पूरी तरह खरे उतर सकें और इसमें दो राय नहीं हो सकती कि आज उनकी गणना भाजपा शासित राज्यों के उन मुख्यमंत्रियों में प्रमुखता से होती है जिन पर प्रधानमंत्री मोदी सबसे अधिक भरोसा करते हैं। पिछले दो वर्षों में मोहन यादव की सरकार ने÷ सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास÷ को सत्ता संचालन का मूल मंत्र मानकर ही सारे फैसले किए हैं और प्रदेश की जनता ने उनके हर फैसले पर अपने भरोसे की मुहर लगाई है। इन दो वर्षों में मोहन यादव मध्यप्रदेश भाजपा का सबसे लोकप्रिय चेहरा बन चुके हैं यही कारण है कि प्रदेश में भाजपा संगठन के मामलों में भी उनकी राय अहम साबित होती है। मोहन यादव की अपनी एक अलग कार्यशैली है जिसके बल पर उन्होंने प्रशासन में हर स्तर पर अपनी मजबूत पकड़ बनाई है। मोहन यादव महत्वपूर्ण मामलों में किसी नतीजे पर पहुंचने के लिए ज्यादा सोच विचार नहीं करते। वे जनहित से जुड़े हर मामले में त्वरित निर्णय करते हैं और उनके निर्णय हमेशा सही साबित होते हैं। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व भी उनकी इस कार्यशैली का कायल हो चुका है। अपनी इस विशिष्ट कार्य शैली के संकेत मोहन यादव ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के चंद दिनों के अंदर दे ही दिए थे और पिछले दो वर्षों के दौरान उनकी सरकार द्वारा लिए गए अनेक फैसलों से उनकी इस विशिष्ट कार्यशैली के प्रमाण भी मिल चुके हैं। यूं तो मात्र दो वर्षों में ही मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपनी झोली में जो शानदार उपलब्धियां संग्रहीत कर ली हैं उन पर गर्व करने का उन्हें पूरा हक है परन्तु उन्होंने तो मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही अपने लिए मध्यप्रदेश को देश के विकास राज्यों की कतार में अग्रणी स्थान का हकदार बनाने का दृढ़ संकल्प ले लिया था जिसकी पूर्ति के लिए वे इतने प्राणपण से जुटे हुए हैं कि उन्हें मील के पत्थर गिनने की फुर्सत नहीं है। मुख्यमंत्री के रूप में मोहन यादव के दो वर्षों के शानदार सफर पर मशहूर शायर बशीर बद्र का यह शेर पूरी तरह चरितार्थ होता है -

जिस दिन से चला हूं , मेरी मंजिल पे नज़र है।
इन आंखों ने कभी मील का पत्थर नहीं देखा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव की सहृदयता, संवेदनशीलता और सादगी ने प्रदेश की जनता का दिल जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आम आदमी को उनमें अपनी छवि दिखाई देती है।हरदिल अज़ीज़ मुख्यमंत्री ने अपने चारों ओर कभी ऐसा घेरा निर्मित नहीं होने दिया जिसमें आम आदमी का प्रवेश संभव न हो सके। पिछले दो वर्षों में ऐसे अनेक अवसर आए हैं जब मुख्यमंत्री मोहन यादव की अतिशय सादगी और सहज- सरल व्यवहार से आम जन को अभिभूत किया है। अपने प्रवास के दौरान कभी उन्होंने चाय की दुकान पर रुक कर चाय बना दी और कभी साधारण सी होटल में समोसे बना कर उपस्थित ग्राहकों को चकित कर दिया। पार्टी के छोटे से छोटे कार्यकर्ता के साथ भी वे जब आत्मीयता से मिलते हैं तो वह अभिभूत हुए बिना नहीं रहता। उनकी सादगी की ताज़ा मिसाल हाल में महाकाल की नगरी उज्जैन में पुण्य सलिला क्षिप्रा के तट पर आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में देखने को मिली थी जब उन्होंने अत्यंत सादगी से अपने चिकित्सक बेटे का विवाह संस्कार संपन्न करा कर समाज के सामने आदर्श प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री प्रदेश में जब किसी भी क्षेत्र के दौरे पर जाते हैं तो साधारण से साधारण व्यक्ति भी उनके नजदीक पहुंच कर अपने मन की बात कह सकता है। वे मुस्कुरा कर हर व्यक्ति का अभिवादन स्वीकार करते हैं और लोगों की तकलीफों को दूर करने के लिए मौके पर ही अधिकारियों को निर्देशित भी करते हैं। वे इस बात का विशेष ध्यान रखते हैं कि निश्चित समय सीमा के अंदर उनके निर्देशों के अनुपालन में कहीं कोई कोताही न हो। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पिछले दो वर्षों में कर्तव्य पालन में लापरवाही बरतने वाले बड़े से बड़े अधिकारियों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई करने में कोई संकोच नहीं किया है। उनके लिए जनता जनार्दन सर्वोपरि है।आम आदमी की तकलीफें उन्हें द्रवित कर देती हैं इसीलिए पिछले दो वर्षों से वे मध्यप्रदेश के नक्शे को खुशी के रंगों से सजाने में तन्मयतापूर्वक जुटे हुए हैं।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

प्रशिक्षण का उद्देश्य कारीगरों को बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार

रॉट आयरन शिल्प से जुड़े परिवारों को दो दिवसीय मार्केटिंग-ब्रांडिंग का प्रशिक्षण

कोण्डागांव। राज्य कार्यालय द्वारा चयनित पीडब्ल्यूसी संस्था के माध्यम से जिले में रॉट आयरन के कार्य से जुड़े समूहों और परिवारों को उनके उत्पादों के बेहतर विपणन एवं ब्रांडिंग हेतु 12 एवं 13 दिसंबर को दो दिवसीय आवासीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कारीगरों को बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार करने तथा उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहचान दिलाना है। प्रशिक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई द्वारा जिले में निर्मित रॉट आयरन उत्पादों के कैटलॉग को प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रस्तुत कर विस्तार से समझाया गया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार उत्पादों की डिजाइन, फिनिशिंग और प्रस्तुति को आकर्षक बनाकर उन्हें बाजार में भेजा जा सकता है। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि तैयार किए गए कैटलॉग एवं उत्पादों के वीडियो सभी प्रतिभागियों को व्हाट्सएप के माध्यम से मोबाइल पर उपलब्ध कराए जाएं, जिससे कारीगर स्वयं भी अपने उत्पादों का प्रचार कर सकें। सीईओ भोई ने कारीगरों से कहा कि विभागीय स्तर पर लगाए जाने वाले राज्य, जिला एवं राष्ट्रीय स्तर के स्टॉलों में अनिवार्य रूप से सहभागिता लें। इससे न केवल उत्पादों की पहचान बढ़ेगी, बल्कि लोगों से सीधा संपर्क स्थापित होगा और कार्य के लिए ऑर्डर भी प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि बाजार से जुड़ाव ही कारीगरों की आय बढ़ाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (विहान) से जिला मिशन प्रबंधक विनय सिंह, उड़ान महिला की सफल कंपनी के सीईओ श्री देवेंद्र तथा पीडब्ल्यूसी संस्था के मास्टर ट्रेनर भी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों द्वारा ब्रांडिंग, पैकेजिंग, ग्राहक पसंद, मूल्य निर्धारण एवं डिजिटल माध्यमों से विपणन के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कोंडागांव जिले को शिल्प नगरी के रूप में जाना जाता है। यहां के पारंपरिक कारीगरों को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए शासन-प्रशासन द्वारा लगातार विभिन्न योजनाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं। यह प्रशिक्षण उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे स्थानीय शिल्प को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी।

ठोटी मड़ानार में 11 केवी तार की चपेट में आया पैरा से भरा पिकअप वाहन, आग लगने से मचा हड़कंप, ग्रामीणों ने दिखाई तत्परता

कोण्डागांव। ग्राम पंचायत मुंगवाल के आश्रित ग्राम ठोटी मड़ानार के स्कूल पारा में आज शनिवार सुबह करीब 11:30 बजे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। 11 केवी विद्युत तार की चपेट में आने से एक पिकअप वाहन में अचानक आग लग गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्थानीय किसान पिकअप वाहन में पैरा लेकर जा रहा था। इसी दौरान पिकअप में लदा पैरा ऊपर से गुजर रहे 11 केवी विद्युत तार के संपर्क में आ गया, जिससे वाहन में आग भड़क उठी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल आग बुझाने का प्रयास किया और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि पिकअप वाहन और उसमें लदे पैरा को नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद ग्रामीणों ने ढीले व नीचे लटके विद्युत तारों को लेकर चिंता जताते हुए संबंधित विभाग से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव के निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण में पहुंची विदेशी सैलानी

कोण्डागांव। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव के द्वारा संचालित विकास नगर स्टेडियम में संचालित निशुल्क सैन्य प्रशिक्षण में सुबह 7 बजे विदेशी सैलानी पहुंची अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागाँव के जिला अध्यक्ष सूरज यादव ने विदेशी सैलानी को बताया कि पूर्व सैनिकों के द्वारा युवक एवं युवतियों को फोर्स में भर्ती होने के लिए प्रतिदिन सुबह 5:30 से 7:30 बजे तक निशुल्क सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें से बहुत से युवक एवं युवतिया फोर्स में चयनित होकर अपनी सेवाएं दे रहे हैं विदेशी सैलानी ने बताया कि वह इजराइल से आई हैं और लड़कियों को ट्रेनिंग करते हुए देखकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई इसके बाद सभी ने मिलकर भारत माता की जय, वंदे मातरम और जय जवान जय किसान के नारे लगाए।

राजनीतिक दलों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के संशोधित कार्यक्रम की दी गई जानकारी

कोण्डागांव। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर छत्तीसगढ़ में चलाये जा रहे मतदाता नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) हेतु संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया गया है।

आयोग द्वारा 9 दिसंबर 2025 को जारी आदेश के अनुसार पूर्व में निर्धारित कार्यक्रम में आवश्यक संशोधन किया गया है, ताकि मतदाता सूची का अद्यतन, शुद्धिकरण एवं पुनरीक्षण कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जा सके। इस संबंध में शनिवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी चित्रकांत चाली ठाकुर द्वारा सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर विशेष गहन पुनरीक्षण संशोधित कार्यक्रम की जानकारी दी गई। निर्वाचन आयोग ने मतदाता जागरूकता बढ़ाने तथा विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं, इसके लिए सभी राजनीतिक दलों को अपने बूथ लेवल एजेंटों से सहयोग हेतु निर्देशित की गई। जिससे प्रत्येक पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित कर सके। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 18 दिसंबर तक गणना प्रपत्र का कार्य एवं मतदान केंद्रों का युक्तिकरण पूर्ण किया जाएगा। इसके पश्चात 19 से 22 दिसंबर तक कंट्रोल टेबल का अद्यतन कर प्रारूप मतदाता सूची तैयार की जाएगी, जिसका प्रकाशन 23 दिसंबर को किया जाएगा। प्रारूप सूची के प्रकाशन के साथ ही 23 दिसंबर से 22 जनवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत की जा सकेंगी। दावे एवं आपत्तियों पर नोटिस जारी करने, सुनवाई, सत्यापन एवं निराकरण की प्रक्रिया 23 दिसंबर से 14 फरवरी 2026 तक संबंधित निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा समानांतर रूप से की जाएगी। इसके बाद मतदाता सूची के स्वास्थ्य मानकों की जांच कर अंतिम प्रकाशन हेतु आयोग की अनुमति 17 फरवरी 2026 तक प्राप्त की जाएगी तथा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 21 फरवरी 2026 को किया जाएगा। जिला प्रशासन ने समस्त मतदाताओं से अपील की है कि वे प्रारूप मतदाता सूची का अवलोकन कर अपने नाम, पता एवं अन्य विवरणों की जांच अवश्य करें और किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर निर्धारित समय-सीमा के भीतर दावा या आपत्ति प्रस्तुत करें, ताकि अंतिम मतदाता सूची पूर्णतः शुद्ध एवं अद्यतन तैयार की जा सके। इस अवसर पर राजनीतिक दलों के सदस्यों और निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

'जनजाति गौरव माह-2025' पर कार्यशाला आयोजित

सुकमा। उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार शासकीय नवीन महाविद्यालय कोंटा में 11 दिसंबर को 'जनजाति गौरव माह-2025' के अंतर्गत जनजाति समाज के गौरवशाली अतीत एवं योगदान विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पी. विजय ने कहा कि जनजातियों के विकास से ही बस्तर क्षेत्र का विकास संभव है। मुख्य वक्ता नैनी जांगैय्या ने विद्यार्थियों को भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि एसडीएम कोंटा सुभाष शुक्ला ने युवाओं को लक्ष्य निर्धारण एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डी. सुरेश बाबु ने की। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा जनजातीय संस्कृति पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का संचालन प्रो. दुष्यंत कुमार ने किया तथा आभार प्रदर्शन मुकेश कुमार पटेल ने किया।

जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2025 संपन्न

सुकमा। नवोदय विद्यालय समिति द्वारा आयोजित कक्षा 6वीं की प्रवेश परीक्षा शनिवार को जिले में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इस अवसर पर जिला शिक्षाधिकारी जी.आर. मंडावी ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बॉयज़ हायर सेकेंडरी स्कूल सुकमा, गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल सुकमा एवं डीएवी स्कूल सुकमा में पहुंचकर परीक्षा संचालन, सुरक्षा व्यवस्था एवं अनुशासन की स्थिति का अवलोकन किया। जिला शिक्षाधिकारी ने परीक्षा ड्यूटी में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश दिए। नवोदय विद्यालय सुकमा में पंजीकृत 1536 विद्यार्थियों में से 1355 विद्यार्थी उपस्थित रहे, वहीं नवोदय विद्यालय कोंटा में पंजीकृत 648 विद्यार्थियों में से 560 विद्यार्थियों ने परीक्षा में सहभागिता की।

कुआकोंडा में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

किरंदुल। विकासखंड कुआकोंडा में विकासखंड शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन मे तीन जोन कुआकोंडा, पालनार एवं मड़कामीरास में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें कुआकोंडा जोन से 47 शिक्षक, पालनार जोन से 60 और मड़कामीरास जोन से 45 कुल 152 शिक्षक इस प्रशिक्षण मे शामिल हुए। इसमें शिक्षकों को बताया गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत एक महत्वपूर्ण पहल हैं, जिसका लक्ष्य 3 से 8 वर्ष की आयु के बच्चों में पढ़ने, लिखने और गणित के बुनियादी कौशल (जैसे एक पाठ को समझना, लिखना और सरल गणना करना) को मजबूत करना है, ताकि भविष्य की शिक्षा की नींव तैयार हो सके। एफएलएन कार्यक्रम, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत चलाया जा रहा एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मिशन हैं, जिसे निपुण भारत मिशन के नाम से भी जाना जाता हसन। इसका मुख्य लक्ष्य 2026-27 तक कक्षा 3 के अंत तक सभी बच्चों को पढ़ने, लिखने और बुनियादी गणित (जोड़-घटाव, गुणा-भाग) में निपुण बनाना हैं।इस दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद भदौरिया, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनोज राठौर एवं खंड स्त्रोत समन्वयक रत्तू राम राणा शामिल हुए।

तंत्र मंत्र के नाम पर अंधविश्वास फैलाने ठगी करने, हिंसा की घटनाएं : डॉ. दिनेश

रायपुर। अंध श्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ दिनेश मिश्र ने कहा पिछले कुछ समय से प्रदेश के अनेक स्थानों से तंत्र मंत्र के नाम से ठगी, धोखाधड़ी, हत्याओं के अनेक मामले सामने आए हैं। कुछ फर्जी बैगा, कथित तांत्रिक ग्रामीणों को चमत्कार झूठे के दावे कर, जादू-टोना, भूत-प्रेत आदि के नाम पर भ्रमित कर भ्रम व अंधविश्वास फैला रहे हैं। जबकि ऐसी काल्पनिक मान्यताओं का कोई अस्तित्व नहीं है। आम लोगों को इस प्रकार अंधविश्वास में नहीं फंसना चाहिए। डॉ.दिनेश मिश्र ने कहा पिछले दो सप्ताह के अंदर ही बालोद से तंत्र मंत्र से खजाना दिलाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी, कोरबा से रूपए को करोड़ों रुपयों में बदलने के लिए तांत्रिक अनुष्ठान के नामपे 3 हत्याएं, गरियाबंद से तांत्रिक इलाज से बीमारी ठीक करने के नाम पर जेवर, रुपए हड़पने के मामले सामने आए हैं। तथाकथित चमत्कार के दावे बनावटी होते है। ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है जिसे किसी भी प्रकार से दूसरे के विषय में जादू से जानकारी मिल सके अलग अलग माध्यम से प्राप्त कुछ सूचनाएं चमत्कार के रूप में प्रस्तुत की जाती है यह एक प्रकार की ट्रिक ही है, जैसे जादूगर अपने शो में अलग अलग प्रकार के खेल दिखाते हैं, जैसे रुपये दुगने करने, किसी व्यक्ति के दो टुकड़े करने, फिर जोड़ देने, ताजमहल को गायब करने जैसे करतब पर वे इसे सिद्धि, नहीं कहते सिर्फ एक मनोरंजन के तौर पर यह भी इनसे किसी को कोई लाभ नहीं होगा। क्योंकि ऐसे चमत्कारों न ही किसी का भला हो सकता है और न ही कोई व्यापक जनहित के काम। क्योकि यदि चमत्कारों से ही देश के कार्य सम्भव होते तो सरकार को पंचवर्षीय योजनाएं, नहीं बनानी पड़ती और न ही शिक्षा, ऊर्जा, रोजगार, रक्षा, चिकित्सा की समस्याओं के लिये विकास के लिए योजना बना कर काम करना पड़ता। उसी जब चिकित्सा विज्ञान का आविष्कार नहीं हुआ था तब बीमारियों को जादू टोने का कारण औरमानसिक बीमारियों को भूत प्रेत के होने के कारण माना जाता था, लेकिन जब से चिकित्सा विज्ञान का आविष्कार हुआ है नए-नए मेडिकल कॉलेज अस्पताल खुले हैं बीमारियों के अलग-अलग कारण तथा उसके हिसाब से इलाज ढूंढे गए हैं और अभी भी जारी है। जैसे कोरोना के समय मे न ही कोई बाबा काम आया न उनका चमत्कार। डॉक्टरों, अस्पतालों, दवाओं, वैक्सीन जैसी कोरोना नियंत्रण में आया। उसी प्रकार कुछ मानसिक बीमारियों को अंधविश्वास के कारण लोग भूत-प्रेत एक का वजह मानते थे तथा उसके लिए झाड़ फूंक कराने जाते थे, उसका भी उपचार आजकल मनो चिकित्सकों द्वारा किया जाता है जो की व्यक्ति की बीमारी और उसके लक्षण के आधार पर तय होता है। किसी बीमार व्यक्ति को जादू टोना करने, भूत आने की बात कह कर भ्रमित करना, प्रेतों की सेना, आदि काल्पनिक बाते अविश्वसनीय ही नही बल्कि हास्यास्पद भी हैं। क्योकि जादू टोने के शक में महिलाओं को टोनही कह कर प्रताड़ित करने और मार डालने के हजारों मामले प्रति वर्ष देश भर से सामने आते है। इस अंधविश्वास से लोगों को बाहर निकालने की जरूरत है न कि उनके चमत्कार, जादू टोना, भूत प्रेत जैसे भ्रम में दाल कर अंधविश्वास बढ़ाने की। भारत सरकार के ड्रग एन्ड मैजिक रेमेडी एक्ट के अंतर्गत यह सब अपराध है।

डॉ दिनेश मिश्र ने कहा हर व्यक्ति को अपने धर्म के प्रचार, प्रसार का अधिकार है, पिछले कुछ दिनों से देखा जा रहा है कि कुछ बैगा, तांत्रिक टोटके बाजी, खजाना दिलाने, रुपए डबल करने, कथित चमत्कार, बीमारियों के इलाज के नाम पर भी भ्रम उत्पन्न कर रहे हैं। लोगों में चमत्कार, जादू टोने, भूत प्रेत के नाम पर अंधविश्वास फैलाना उचित नहीं है ऐसे मामलों में प्रशासन को संज्ञान लेकर आवश्यक कार्यवाही करनी चाहिए एवं आम लोगों को ऐसे स्वार्थी तत्वों पर भरोसा नहीं करना चाहिए।

आईपीएस अधिकारी प्रखर पांडेय का निधन

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस के अधिकारी आईपीएस प्रखर पांडेय का रविवार दोपहर करीब 4:15 बजे निधन हो गया। बताया जा रहा है कि उन्हें भिलाई में अचानक हृदयघात आया था, जिसके बाद 5 तारीख से उन्हें रायपुर स्थित रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। तब से उनका इलाज चल रहा था, लेकिन डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनके निधन से पुलिस विभाग में शोक की लहर है। आईपीएस प्रखर पांडेय वर्तमान में पुलिस मुख्यालय रायपुर में उप पुलिस महानिरीक्षक (डीआईजी), सीआईडी विभाग के पद पर तैनात थे। उन्होंने अपने सेवा जीवन में कई अहम जिम्मेदारियां संभालीं। इससे पहले वे कबीरधाम, सूरजपुर और दुर्ग जिले में पुलिस अधीक्षक रह चुके थे, वहीं बिलासपुर और राजनांदगांव में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में भी सेवाएं दीं। उनके आकस्मिक निधन से पुलिस महकमे में शोक की लहर है। छत्तीसगढ़ सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी कल्याण संघ के पदाधिकारियों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दिवंगत अधिकारी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।

धान खरीदी को आसान बनाने की दिशा में राज्य सरकार का निर्णायक कदम

धान विक्रय प्रक्रिया हुई सरल, अब दिन-रात कभी भी मिलेगा तूहर टोकन

सुकमा। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तूहर टोकन ऐप को अब 24×7 खोल दिया गया है। अब मोबाइल एप से टोकन काटने के लिए किसी निर्धारित समय की बाध्यता नहीं रहेगी। किसान दिन-रात किसी भी समय अपनी सुविधा के अनुसार टोकन बुक कर सकेंगे। अब किसान 13 जनवरी तक अगले 20 दिनों तक के लिए टोकन ले सकते हैं। इससे किसानों को धान विक्रय की योजना बनाने और टोकन प्राप्त करने में पर्याप्त समय मिलेगा तथा भीड़ और तकनीकी दबाव की समस्या से राहत मिलेगी। इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा 2 एकड़ एवं 2 एकड़ से कम रकबा वाले किसान अब 31 जनवरी तक तूहर टोकन ऐप से टोकन ले सकेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर लघु किसनों के लिए यह सुविधा मुहैया कराई गई है। उल्लेखनीय है कि टोकन प्रत्येक सहकारी समिति को आबंटित सीमा के भीतर ही जारी किए जाएंगे। किसानों से आग्रह है कि वे समय रहते तूहर टोकन ऐप के माध्यम से टोकन प्राप्त करें और किसी भी असुविधा से बचें। किसानों की सुविधा और पारदर्शी व्यवस्था हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। तूहर टोकन ऐप को 24×7 खोलने और समय की बाध्यता समाप्त करने का निर्णय इसी सोच का परिणाम है।

अब किसान बिना किसी दबाव के, अपनी सुविधा अनुसार टोकन बुक कर सकेंगे। 2 एकड़ एवं 2 एकड़ से कम रकबा वाले किसानों के लिये टोकन की अतिरिक्त समय सीमा और अवधि का विस्तार किसानों को वास्तविक राहत देगा। राज्य सरकार किसान हित में हर संभव कदम उठाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

अब युक्त धारा पोर्टल से स्वीकृत होंगे पंचायतों में मनरेगा के कार्य

सुकमा। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत शासन के निर्देशानुसार युक्त धारा पोर्टल पर जीआईएस आधारित ग्राम पंचायत प्लान की एंट्री की जा रही है। सुकमा जिले में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कलेक्टर देवेश ध्रुव के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुन्द ठाकुर के मार्गदर्शन में प्रत्येक ग्राम पंचायत का युक्तधारा पोर्टल के माध्यम से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत कार्ययोजना तैयार किया जा रहा है। जिले के 03 जनपद पंचायतों कोंटा, छिंगदढ़ और सुकमा के ग्राम पंचायतों में प्राथमिकता के कार्यों को युक्त धारा पोर्टल में एंट्री प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। जिसमें बजट के कार्ययोजना में कृषि से संबंधित 60 प्रतिशत कार्य एवं जल संरक्षण से संबंधित 30 प्रतिशत के कार्यों को प्राथमिकता से कार्ययोजना में शामिल किया गया है। इसके साथ जिले में ग्रामीणों के मांग अनुसार डबरी, बकरी शेड, सुअर शेड तालाब आदि कार्यों को प्रमुखता से कार्ययोजना में लिया गया है। युक्तधारा पोर्टल के माध्यम से लिये जाने वाले परिसंपतियों का भौतिक सत्यापन करते हुए अत्याधुनिक तकनीक जैसे कि [illegible] के माध्यम से कार्यों का चयन स्थल के उपयुक्ता के अनुसार किया जा रहा है। ग्राम पंचायत द्वारा तैयार कार्ययोजना के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर युक्तधारा पोर्टल में अक्षांश एवं देशान्तर के साथ एंट्री की गई है। इन सभी कार्यों को युक्त धारा पोर्टल में प्राथमिकता के क्रम में एंट्री की जा रही है। वर्ष 2026-27 से जो भी कार्य पंचायतों में प्रारंभ होंगे वह एंट्री के प्राथमिकता के क्रम में होंगे। इस तरह से शासन द्वारा एक बेहतरीन व्यवस्था लोगों की सुविधा के लिए लागू की गई है। इसके अलावा युक्त धारा पोर्टल में जो भी कार्यों की एंट्री होगी उनमें प्रत्येक कार्यों की अक्षांश एवं देशांतर की एंट्री भी की जा रही है, ताकि भविष्य में उनमें अभिसरण (समन्वय) के माध्यम से और भी कार्य कराया जा सके तथा पारदर्शिता भी बनी रहे। अब भविष्य में जो भी कार्य ग्राम पंचायत में होंगे। उन्हें इसी प्रकार 02 अक्टूबर को होने वाली ग्राम सभा से अनुमोदन कराकर युक्त धारा पोर्टल में एंट्री उपरांत ही की जाएगी। युक्त धारा पोर्टल के माध्यम से लेबर बजट 2026-27 के लिए प्लानिंग किये गये कार्य 01 अप्रैल 2026 से स्वीकृति प्रदान किया जाएगा। इस प्रकार अब युक्त धारा पोर्टल के माध्यम से जीआईएस आधारित योजना निर्माण की स्वीकृति से पारदर्शिता एवं त्वरित स्वीकृति में सहायता मिल सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

तखतपुर सीईओ ने किया पंचायत कार्यालयों का औचक निरीक्षण, नदारद सचिवों के विरूद्ध कार्यवाही की अनुशंसा

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल और जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल के निर्देश पर जनपद पंचायत तखतपुर के सीईओ श्री सत्यव्रत तिवारी ने आज जनपद पंचायत तखतपुर की चार ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई पंचायत कार्यालय बंद मिले और सचिव नदारद रहे। सीईओ द्वारा कार्यालयीन समय में अनुपस्थित सचिवों के विरूद्ध कार्यवाही की अनुशंसा की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतों के कामकाज पर निगरानी और आमलोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जनपद सीईओ द्वारा ग्राम पंचायत परसदा, भरनी, चोरभट्ठीकला एवं चोरभट्ठीखुर्द का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत परसदा के सचिव ब्रजेश साहू बिना पूर्व सूचना के कार्यालय में अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार ग्राम पंचायत भरनी का पंचायत कार्यालय बंद मिला व सचिव विरेंद्र ध्रुव अनुपस्थित मिले। ग्राम पंचायत चोरभट्ठीकला का पंचायत कार्यालय भी कार्यालयीन समय में बंद पाया गया, जहां सचिव कु. मनीता कश्यप कार्यालय में मौजूद नहीं थी। इसी तरह ग्राम पंचायत चोरभट्ठीखुर्द में भी पंचायत कार्यालय बंद पाया गया और सचिव श्रीमती प्रीति ध्रुव अनुपस्थित रहीं। जनपद सीईओ द्वारा सभी नदारद सचिवों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए प्रकरण सीईओ जिला पंचायत को भेजा गया है।

पेन्शन अदालत में प्राप्त मामलों का किया गया निराकरण

बिलासपुर। रेलवे बोर्ड द्वारा जारी आदेशानुसार बिलासपुर मण्डल में पेन्शन अदालत का आयोजन कर पेन्शन से सम्बन्धित समस्याओ का निराकरण किया जाता है। इसी संदर्भ में मंडल कार्मिक सभाकक्ष में आज दिनांक 15 दिसम्बर 2025 को प्रात: 11.30 बजे से पेन्शन अदालत का आयोजन किया गया । इस पेन्शन अदालत में 02 आवेदन प्राप्त हुये थे 7 प्राप्त दोनों आवेदनों पर सहायक मंडल वित्त प्रबंधक सुमित्रा पाल, सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी श्री रंजन कुमार रुखैयार एवं कार्मिक व लेखा विभाग के कर्मचारियों के मध्य गहन विचार-विमर्श कर रेलवे नियमानुसार सभी मामलों का तत्काल निराकरण किया गया।

एआई के दुरुपयोग से बनाए जा रहे फर्जी ई-टिकट टीटीई एवं यात्रियों से सतर्क रहने की अपील

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल में टिकट जांच के दौरान दिनांक 12 दिसंबर को फर्जी ई-टिकट के एक गंभीर मामले का खुलासा हुआ है। वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक, नागपुर मंडल श्री दिलीप सिंह के निर्देश पर मंडल में विशेष सतर्कता अभियान चलाये जा रहा है दिनांक 12.12.2025 को गाड़ी संख्या 12833 में नागपुरङ्कगोंदिया सेक्शन के दौरान ड्यूटी पर तैनात टीटीई श्री इंद्रजीत ने दो यात्रियों को एक ही सीट पर दावा करते हुए पाया। संदेह होने पर दोनों ई-टिकटों की एचएचटी (॥।ञ्ज) उपकरण से जांच की गई, जिसमें एक टिकट वास्तविक तथा दूसरा निष्क्रिय (फ्लश्ड) पीएनआर के आधार पर तैयार किया गया फर्जी ई-टिकट पाया गया। पूछताछ में सामने आया कि यह टिकट एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा उपलब्ध कराया गया था, जिसने संपर्क करने पर मोबाइल बंद कर लिया। जांच से यह स्पष्ट हुआ कि फ्लश्ड पीएनआर का उपयोग कर ई-टिकट की पीडीएफ फाइल को डिजिटल रूप से एडिट कर एआई टूल्स की मदद से नकली टिकट तैयार किया गया था। इसी क्रम में हाल ही में जयपुर मंडल में भी एआई के दुरुपयोग का एक मामला सामने आया है, जिसमें कुछ विद्यार्थियों ने एक व्यक्ति के वैध ई-टिकट को एआई की सहायता से एडिट कर 7 यात्रियों का टिकट दर्शाया। यह फर्जीवाड़ा तब पकड़ा गया जब हेड टीसी द्वारा मोबाइल में दिखाए गए टिकट की जांच की गई। इस प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक श्री दिलीप सिंह ने मंडल के सभी टिकट जांच कर्मचारियों (ञ्जञ्जश्व/ञ्जष्ट) को सख्त हिदायत दी है कि वे पूरी सतर्कता के साथ टिकटों की जांच करें, प्रत्येक ई-टिकट/एम-टिकट का एचएचटी से अनिवार्य सत्यापन करें तथा किसी भी संदिग्ध या संशोधित डिजिटल टिकट को तुरंत फर्जी मानते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

60 शोधार्थियों ने प्रस्तुत किए अपने शोध पत्र

ग्रीन टेक्नोलॉजी व एसडीजीएस पर केंद्रित रहा सीवीआरयू का शोध-शिखर विज्ञान पर्व

बिलासपुर। डा. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय में एक दिवसीय (13.12.25) रिसर्च पेपर प्रेजेंटेशन, सी. वी.आर. यू. शोध-शिखर विज्ञान पर्व 2025-2026 के तत्वावधान में आयोजित किया गया। शोध शिखर विज्ञान पर्व का मुख्य थीम था- एडवांसिंग ग्रीन टेक्नोलॉजी और एस डी जी फॉर विकसित भारत । इसके अंतर्गत साईंस कम्यूनिकेशन, भारतीय ज्ञान परंपरा,, इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट, कॉमर्स, हॉलिस्टिक मेडिकल साइंस, मानविकी-लिबरल आर्ट्स, एग्रीकल्चर एंड फूड सिक्योरिटी, मॉडर्न साइंस, एजूकेशन और लॉ टॅपिक थे। कुल 79 रजिस्ट्रेशन शोधार्थियों के द्वारा किये गये जिसमें 29 शोधार्थी आफलाईन मोड और 31 शोधार्थी आनलाईन मोड में अपने-अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) बिलासपुर की शोध छात्रा निधि पाण्डेय ने वाणिज्य विषय में अपना शोध-पत्र प्रस्तुत कर प्रथम स्थान के रूप में परचम लहराया । निधि पाण्डेय ने मार्केटिंग सस्टेनेबिलिटी को एचीव करने में ग्रीन टेक्नोलॉजी एडवांसमेंट को विकसित भारत के लिए अद्भुत विचार रखे। डा सी वी रमन विश्वविद्यालय की रसायन विभाग की शोध छात्रा निखर शारदा साहु ने बायो सिंथेसिस ओफसिल्वर नैनोपार्टिकल्स बय मेडिसीनल फ्लोरा के बारे में विस्तृत जानकारी देकर द्वितीय स्थान हासिल किया और डा सी वी रमन विश्वविद्यालय की रसायन विभाग की ही छात्रा वर्षा वर्मन ने कैरेक्टराइजेशन ऑफ जिंक ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स यूजिंग ञ्जश्वरू एंड

स्नश्वस्श्वरूपर प्रस्तुति कर तृतीय स्थान हासिल किया । इस उत्कृष्ट कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के अलावा आंध्र प्रदेश, पं बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उड़ीसा के शोधार्थियों ने अपना प्रेजेंटेशन किया। इस शोध शिखर विज्ञान पर्व का उद्देश्य वैज्ञानिक नवाचार को प्रोत्साहित करना, हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना तथा सतत विकास एवं राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के अनुरूप शोधकार्यों को प्रेरित करना था। सारे शोध-पत्र हरित एवं नवीकरणीय प्रौद्योगिकी, सतत् सामग्री, पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन शमन, ऊर्जा दक्षता तथा संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप विकसित भारत हेतु नवाचार आधारित समाधान जैसे विविध विषयों पर केंद्रित थे। मां शारदे की पूजा-अर्चना के पश्चात कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सम्माननीय कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार घोष ने कहा कि आज की युवा-पीढ़ी विकसित भारत के लिए सतत 'शोध और नवाचार' में अग्रणी भूमिका निभा रही है। अपने संबोधन के बाद प्रतिभागियों से रूबरू हुए और प्रोत्साहित किया । कुलसचिव आदरणीय प्रो. अरविंद कुमार तिवारी ने इस कार्यक्रम को विकसित भारत, भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सुदृढ़ करने में महती भूमिका पर प्रकाश डाला । अपने संबोधन में प्रो तिवारी ने उभरते युवा-शोधार्थियों का हौसला-अफज़ाई किया और तकनीक को संपूर्ण कला, विज्ञान, अभियांत्रिकी, प्रबंधन, वाणिज्य, फार्मेसी, चिकित्सा, शिक्षा, लॉ, कृषि, साहित्य, लोककला, संगीतकला, और परंपरागत शैली से जोड़ने पर बल दिया । समकुलपति एवं डीन अकादमिक प्रो जयती चटर्जी ने शोधार्थियों के गुणवत्तापूर्ण शोध-पत्र को सराहा और कहा कि निश्चित ही यह शोध-पत्र विकसित भारत के लिए मील का पत्थर साबित होगा । शोध शिखर विज्ञान पर्व के संयोजक प्रो ए के श्रीवास्तव ने कहा कि यह कार्यक्रम आईडियाथन का हिस्सा है और इस ज्ञान-मंथन से निकले अमृत-ज्ञान विश्व के कोने-कोने में अपना संचार करेगा जिससे सामाजिक-आर्थिक महत्व के उद्देश्यों का सपना मानव कल्याण के लिए सफलीभूत होगा । सह संयोजक प्रो. रश्मि वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि रिसर्च एक अनवरत प्रोसेस है, युवा पीढ़ी को रूकना नही है, अपने शोध को बेहतर से बेहतरीन की तरफ ले जाना है। शोध-पत्र सत्र के सत्र-अध्यक्ष के रूप में शोध निदेशक डॉ विवेक वाजपेई ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । शोध-पत्र सत्र के दरम्यान शोधार्थियों द्वारा ओपन इंटेरेक्शन और डिस्कशन हुआ जिसमें शोधार्थियों के अलावा सभी लाभान्वित हुए। डा विकास मिश्रा, डा विकास तिवारी और डा अभिषेक शर्मा ने प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर के रूप में सफल कोआर्डिनेशन किया । इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं उपस्थित थी। मंच का संचालन डा आंचल श्रीवास्तव और डा शालिनी पाण्डेय के द्वारा किया गया । अंत में सहसंयोजक डा रश्मि वर्मा के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल में पेंशन अदालत (चतुर्थ तिमाही) का सफल आयोजन किया गया

बिलासपुर। आज दिनांक 15 दिसंबर 2025 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल में पेंशन अदालत का आयोजन माननीय अपर मंडल रेल प्रबंधक की अध्यक्षता में सुव्यवस्थित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस पेंशन अदालत का मुख्य उद्देश्य सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों एवं पारिवारिक पेंशनभोगियों की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना था। इस अवसर पर रेल प्रशासन की ओर से माननीय अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री राजेश चिखले, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री उदय कुमार भारती, मंडल कार्मिक अधिकारी श्रीमती श्वेता एच.के. छोरिया तथा सहायक मंडल वित्त प्रबंधक श्री राजेश कुमार सिन्हा उपस्थित रहे। वहीं पेंशनभोगी संघ की ओर से अध्यक्ष श्री डी. एन. मूर्ती, महासचिव श्री बासुदेव सहित अन्य पदाधिकारी एवं संबंधित शिकायतकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित थे। पेंशन अदालत के दौरान पेंशन, पारिवारिक पेंशन, एरियर भुगतान, संशोधित वेतनमान के अनुसार लाभ, अवकाश नकदीकरण तथा अन्य सेवाङ्कनिवृत्ति लाभों से संबंधित लंबित एवं विचाराधीन मामलों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कुल 21 मामलों को सुनवाई हेतु प्रस्तुत किया गया, जिनमें से 12 मामलों का मौके पर ही समाधान कर पेंशनभोगियों को राहत प्रदान की गई। माननीय अपर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शेष मामलों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से किया जाए, ताकि पेंशनभोगियों को अनावश्यक असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि पेंशन अदालत जैसे मंच से प्रशासन एवं पेंशनभोगियों के बीच संवाद सशक्त होता है तथा पारस्परिक विश्वास में वृद्धि होती है। कार्यक्रम के अंत में पेंशनभोगी संघ के प्रतिनिधियों ने पेंशन अदालत के आयोजन एवं मामलों के समाधान हेतु रेलवे प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। यह आयोजन नागपुर मंडल में पेंशनभोगियों की समस्याओं के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक पहल सिद्ध हुआ।

इंडियन स्काउट एंड गाइड फैलोशिप की प्रथम जिला गैदरिंग संपन्न हुआ..

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर द्वारा इंडियन स्काउट एंड गाइड फैलोशिप की प्रथम दो-दिवसीय जिला गैदरिंग का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन 13 दिसंबर को रेलवे प्राइमरी स्कूल, बुधवारी बाजार में कैंप फायर से प्रारंभ हुआ। कैंप फायर के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशामुक्ति, यातायात नियमों के पालन तथा स्वच्छता जैसे सामाजिक विषयों पर प्रभावी जागरूकता संदेश दिया

गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री आदित्य कुमार तथा विशिष्ट अतिथि अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री के. श्रीनिवास सहित वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता श्री के के भारद्वाज, मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री एस. भारतीयन, सहायक सचिव आरआरबी श्री यू.एस. राव, श्री वी.वी. शास्त्री (कोऑर्डिनेटर, रायपुर मंडल) एवं भारत स्काउट एंड गाइड की जिला संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती सुजाता सहित अनेक अतिथिगण उपस्थित रहे। फैलोशिप कोऑर्डिनेटर श्री कृष्ण कुमार ने बताया कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में इस प्रकार की गैदरिंग पहली बार आयोजित की गई है, जो रेल कर्मचारियों को सामाजिक सेवा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के अवसर पर नागपुर मंडल में विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

- मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में ऊर्जा संरक्षण पर सेमिनार संपन्न

बिलासपुर। बेहतर, सुरक्षित एवं सतत भविष्य के संकल्प के साथ सम्पूर्ण देश में प्रतिवर्ष 14 दिसंबर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल में दिनांक 08 से 14 दिसंबर 2025 तक ऊर्जा संरक्षण सप्ताह 2025 का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत विभिन्न जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की गईं। ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के समापन अवसर पर आज दिनांक 15 दिसंबर 2025 को मंडल सभागार में विद्युत (सामान्य) विभाग द्वारा ऊर्जा संरक्षण पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक, नागपुर श्री दीपक कुमार गुप्ता ने की। कार्यक्रम में मंडल के सभी शाखाधिकारी, विद्युत विभाग के पर्यवेक्षक एवं कर्मचारीगण सहित ओरिएंट कंपनी के श्री अर्नब मोंडल, (बिजनेस डेवलोपमेंट मैनेजर),एवं गुरप्रीत सिंह (वरिष्ठ एरिया

मैनेजर) उपस्थित रहे। सेमिनार के दौरान वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (आर.एस. एवं जी.) श्री राजेश सिंह ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण की दिशा में नागपुर मंडल द्वारा किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए नागपुर मंडल के विद्युत विभाग को भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय से 'सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट' प्रदान किया गया है। जिसे दिनांक 14 दिसंबर 2025 को वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता ने मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार गुप्ता के करकमलों द्वारा प्राप्त किया।

छत्तीसगढ़ की लोक कला गेड़ी नृत्य को यूनेस्को ने सराहा

- दिल्ली में 180 देशों के प्रतिनिधियों के समक्ष छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति का प्रदर्शन
- शहर की लोक श्रृंगार भारती संस्था द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ की लोक कला का प्रदर्शन

बिलासपुर। जिले की सांस्कृतिक संस्था 'लोक श्रृंगार भारती' के गेड़ी लोक नृत्य दल द्वारा सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) व संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के आमंत्रण पर नई दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला प्रांगण में गेड़ी नृत्य की प्रस्तुति दी गई। 7 से 13 दिसम्बर तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय समारोह में 180 देशों के प्रतिनिधियों की सहभागिता रहीं। समारोह में गेड़ी नर्तक दल ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति को काफी सराहा गया। मुख्य गायक एवं नृत्य निर्देशक अनिल गढ़ेवाल के कुशल नेतृत्व में गेड़ी नृत्य दल ने अपने सशक्त, ऊर्जावान एवं रोमांचक प्रदर्शन से अंतरराष्ट्रीय दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, विभिन्न राज्यों के कलाकारों सहित 180 देशों के डेलिगेट्स उपस्थित रहे। समारोह का ऐतिहासिक क्षण तब आया जब भारत के महापर्व दीपावली को यूनेस्को द्वारा विश्व सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता प्रदान की गई। इस उपलब्धि में छत्तीसगढ़ के गेड़ी लोक नृत्य दल की प्रस्तुति को विशेष सराहना मिली गेड़ी नृत्य की भावपूर्ण और साहसिक प्रस्तुति से केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत प्रभावित हुए। उन्होंने ्रछत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया कहकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। मुख्य गायक अनिल गढ़ेवाल द्वारा प्रस्तुत काट ले हरियर बांसे्र गीत ने विदेशी प्रतिनिधियों के मन में छत्तीसगढ़ी संस्कृति के प्रति गहरी जिज्ञासा उत्पन्न की। वहीं मुख्य मांदल वादक मोहन डोंगरे द्वारा एक ही स्थान पर घूमते हुए मांदल वादन किया। हारमोनियम वादक सौखी लाल कोसले एवं बांसुरी वादक महेश नवरंग की स्वर लहरियों पर विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधि झूम उठे। गेड़ी नर्तकों प्रभात बंजारे, सूरज खांडे, शुभम भार्गव, लक्ष्मी नारायण माण्डले, फूलचंद ओगरे एवं मनोज माण्डले ने साहसिक करतबों से दर्शकों को रोमांचित किया। विशेष रूप से तब, जब एक गेड़ी पर संतुलन बनाते हुए कलाकारों ने मानवीय संरचनाएं बनाईं, पूरा प्रांगण तालियों से गूंज उठा। छत्तीसगढ़ की पारंपरिक वेशभूषा, कौड़ियों व चीनी मिट्टी की मालाएं, पटसन वस्त्र, सिकबंध एवं मयूर पंख धारण कर प्रस्तुत भाव नृत्य ने प्रस्तुति को और भी आकर्षक बना दिया। यूनेस्को के महानिदेशक डॉ. खालिद एन. एनानी सहित विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने गेड़ी नृत्य दल के साथ स्मृति चित्र लिया व छत्तीसगढ़ राज्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक पहचान दिलाने के लिए शुभकामनाएं दी

सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महत्वपूर्ण पहल........

- हिमगीर दाघोरा के मध्य समपार संख्या 276 पर निर्माणाधीन रोड ओवरब्रिज में सभी गर्डरों की सफल स्थापना

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा एवं सुविधा बढ़ाने के लिए निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। समपार फाटकों पर दुर्घटनाओं की रोकथाम करने तथा अत्यधिक सड़क यातायात वाले मार्गों पर ट्रेनों के आवागमन के दौरान होने वाली असुविधाओं को समाप्त करने के उद्देश्य से विभिन्न समपार फाटकों पर रोड ओवरब्रिज (ऋह्रक्च), रोड अंडरब्रिज (ऋक्च) एवं लिमिटेड हाइट सबवे (रुा॥स्) का निर्माण किया जा रहा है ताकि यातायात को सुरक्षित रूप से वैकल्पिक मार्ग प्रदान किया जा सके। इसी क्रम में मंडल के हिमगीरङ्कदाघोरा स्टेशनों के मध्य किमी 552/05-07 पर स्थित समपार संख्या 276 (गुमदा फाटक) पर रोड ओवरब्रिज का कार्य तेजी से प्रगति पर है। निर्माण कार्य को गति प्रदान करते हुए 36 मीटर स्पैन के सभी 05 गर्डरों का सफलतापूर्वक लॉंचिंग कार्य संपन्न किया गया। गर्डरों का लॉंचिंग कार्य 500 टन क्षमता की टेलीस्कोपिक रोड क्रेन की सहायता से पूर्णत: सुरक्षित एवं सुचारु रूप से संपन्न किया गया। यह कार्य इंजीनियरिंग विभाग की टीम द्वारा सभी विभागों से बेहतर समन्वय करते हुये सुनियोजित तरीके से पूर्ण सतर्कता, सजगता एवं सुरक्षा मानकों के पूर्ण अनुपालन के साथ संपन्न किया गया। सभी गर्डरों की सफल लांचिंग के साथ इस ऋह्रक्च निर्माण में एक महत्वपूर्ण का एक महत्वपूर्ण चरण पूरा हो गया है। ऋह्रक्च निर्माण के पूर्ण होते ही गुमदा फाटक से होकर गुजरने वाले सड़क उपयोगकर्ताओं एवं वाहनों को सुरक्षित, संरक्षित और निर्बाध आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और दुर्घटनाओं की संभावनाएँ भी समाप्त होंगी।

वेज या नॉन वेज

वेट लॉस के लिए कौन सी डाइट है बेहतर

आजकल वीगन डाइट को फॉलो करना ट्रेंड बन चुका है। लोग ही क्या सेलिब्रिटीज और एथलीट्स तक वेजिटेरियन बन रहे हैं और ये भी माना जा रहा है कि वेट लॉस के लिए वेजिटेरियन डाइट बेस्ट है। वैसे वेट लॉस में ये कंफ्यूजन बनी रहती है कि वेजिटेरियन डाइट को फॉलो किया जाए या नॉनवेजिटेरियन डाइट बेस्ट है। जहां नॉन वेजिटेरियन डाइट प्रोटीन का बेस्ट सोर्स है वहीं वेजिटेरियन से भी कई बेनिफिट्स पाए जा सकते हैं। यहां हम आपके साथ इन दोनों डाइट से जुड़ी अहम जानकारी साझा करने जा रहे हैं। साथ ही ये भी बताएंगे कि इनमें से कौन सी बेस्ट है।

वेजिटेरियन डाइट

इसे फॉलो करने वालों को हमेशा इस चीज की कमी खलती है कि उनका प्रोटीन इंटेक काफी कम है। वेजिटेरियन हमेशा जदोजहद में रहते हैं कि उनके लिए प्रोटीन का बेस्ट सोर्स क्या है। जो लोग मसल्स बनाना चाहते हैं उनके लिए प्रोटीन बहुत जरूरी है। वैसे अगर आप वेट लॉस की कोशिश कर रहे हैं, तो ये डाइट एक बेस्ट ऑप्शन है, क्योंकि इसमें कैलोरी का इंटेक कम होता है।

नॉन वेजिटेरियन डाइट

ये सुझाव दिया जाता है कि अगर आप वेट लॉस पर हैं, तो आपको प्रोटीन का इंटेक बढ़ा हुआ हो और कार्ब्स कम लिए जाए। नॉन वेजिटेरियन डाइट में ये गुण मौजूद हैं, क्योंकि इसमें प्रोटीन के साथ हेल्दी फैट भी होता है। लेकिन नॉन वेजिटेरियन डाइट में बैड फैट भी होता है। हाई फैट से कैलोरी का इंटेक बढ़ता है और ऐसे में बॉडी बिल्डिंग में दिक्कत हो सकती है।

डाइट में क्या है बेस्ट

वैसे इस दुविधा में मत फंसिए कि कौन की डाइट बेहतर है, बस ये ध्यान रखें कि वजन घटाना एक लंबी प्रक्रिया है। इसमें तीन चीजें डाइट, एक्सरसाइज और नींद का हमेशा ध्यान रखना चाहिए। अगर आप इन तीनों के रूटीन को सही से फॉलो कर रहे हैं, तो आपको किसी भी तरह के स्पेशल डाइट रूटीन की जरूरत शायद न पड़े। वैसे डाइट के रूटीन को एक्सपर्ट की सलाह पर ही फॉलो करना चाहिए।

A ब्लड ग्रुप वालों को स्ट्रोक का खतरा ज्यादा

हेल्थलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में की गई एक स्टडी में पता चला है कि A ब्लड ग्रुप वाले लोगों को 60 की उम्र से पहले स्ट्रोक आने का खतरा अन्य लोगों की अपेक्षा 18 फीसदी ज्यादा होता है। अगर सबसे कम खतरे वाले ब्लड ग्रुप की बात करें, तो O ब्लड टाइप वाले लोगों को 60 की उम्र से पहले स्ट्रोक का खतरा अन्य सभी की अपेक्षा 12 फीसदी कम होता है। आसान भाषा में कहें, तो A ब्लड ग्रुप वालों को सबसे ज्यादा और O ब्लड ग्रुप वाले लोगों को स्ट्रोक का सबसे कम खतरा होता है। इसकी वजह अलग-अलग ब्लड ग्रुप में बनने वाले खून के थक्के होते हैं। हालांकि शोधकर्ताओं का यह भी कहना है कि लाइफस्टाइल, खान-पान और कुछ बातों को ध्यान में रखकर इस खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

यह स्टडी अमेरिका के बाल्टीमोर की यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड के शोधकर्ताओं ने की थी। इसमें 5.70 लाख हेल्दी लोगों को शामिल किया गया था, जबकि स्ट्रोक का सामना कर चुके 17 हजार लोगों को शामिल किया गया था। 48 स्टडी के मेटा एनालिसिस के बाद रिसर्चर्स ने स्ट्रोक को ले क र कई खुलासे किए हैं। इस स्टडी के लीड ऑथर ब्रेक्सटन मिशेल का कहना है कि A ब्लड ग्रुप वाले लोगों को ब्लड क्लॉटिंग यानी खून के थक्के जमने का खतरा ज्यादा होता है, जिसकी वजह से स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि इस स्टडी से ब्लड टाइप और स्ट्रोक का सीधा लिंक साबित नहीं हो सका है। अलग अलग नस्ल और एथनिक ग्रुप के लोगों के लिए चीजें अलग हो सकती हैं। इस बारे में अभी ज्यादा रिसर्च करने की जरूरत है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक साल 2020 में दुनियाभर में 35 लाख लोग स्ट्रोक की चपेट में आ गए। लगातार यह आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। जानकारों की मानें तो लाइफस्टाइल में जरूरी बदलाव कर स्ट्रोक के ओवरऑल रिस्क को काफी हद तक कम किया जा सकता है। हर दिन एक्सरसाइज करने और हेल्दी डाइट लेने से स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है। इससे बचने के लिए लोगों को स्मोकिंग छोड़ देनी चाहिए। समय-समय पर अपना चेकअप कराना चाहिए, ताकि वक्त रहते जरूरी कदम उठाए जा सकें।

ऐसे करें पेट की चर्बी कम

साइकिल चलाना : आप कोई भी समय चुनें जो आपके लिए उपयुक्त हो, सुबह या शाम, और कम से कम 30 मिनट के लिए रोजाना साइकिल चलाएं। कैलोरी जलाने और अपनी मांसपेशियों को टोन करने के दौरान आप जल्द ही अपने सहनशक्ति में सुधार देखेंगे।

वेट लिफ्टिंग : वेट लिफ्टिंग वास्तव में महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण है। यह आपके शरीर को मजबूत करेगा, जो आपकी उम्र बढ़ने के साथ स्वास्थ्य समस्याओं क ो रोकने में मदद करेगा। वजन घटाने के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से शरीर की बेसल मेटाबॉलिक दर बढ़ती है, जिससे आप आराम करने पर भी कैलोरी बर्न कर सकते हैं। यदि आप एक शुरुआती हैं, तो एक अच्छे फिटनेस ट्रेनर के मार्गदर्शन में शुरुआत करना सबसे अच्छा है।

योग : जी हां, योग वजन घटाने में मदद कर सकता है। सामान्य तौर पर, योग से वजन कम होना अपेक्षाकृत धीमा होता है। हालांकि, पावर योगा एक ऐसा तरीका है जिससे आप तेजी से वजन कम कर सकते हैं। योग अभ्यास की सबसे अच्छी बात यह है कि यह आपके शरीर को भीतर से स्वस्थ बनाता है, आपके सभी अंगों, मांसपेशियों, हड्डियों और श्वास की कार्यप्रणाली और स्थिति में सुधार करता है।

रनिंग : पिछली बार कब आपने अपने जूते पहने थे और दौड़ने गए थे? रनिंग सबसे अंडररेटेड एक्सरसाइज में से एक है। आपको किसी विस्तृत उपकरण या किसी विशेष स्थान की आवश्यकता नहीं है। आप सचमुच अपने आस-पड़ोस (यदि आप ट्रैफ़िक से बचते हैं) या निकटतम पार्क में भाग सकते हैं। बहुत सारी कैलोरी जलाने और वजन कम करने के लिए सुबह जल्दी दौड़ने की दिनचर्या बहुत अच्छी हो सकती है।

तैरना : तैरना वजन घटाने के लिए सबसे अच्छे व्यायामों में से एक है। यह एक पूल या खुले पानी में किया जा सकता है, जिसका मतलब है कि आप इसे साल भर कर सकते हैं। तैरना कम प्रभाव वाला व्यायाम है और जोड़ों के लिए आसान है, इसलिए यदि आपको कोई चोट या गठिया है तो यह एक बढ़िया विकल्प है। तैरना एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट भी प्रदान करता है जो आपकी मदद कर सकता है।

जुंबा : नृत्य बहुत सारी कैलोरी जलाने का एक शानदार तरीका हो सकता है और कुछ जुम्बा की तुलना में गति प्राप्त करने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है! जुंबा एरोबिक्स और डांस का कॉम्बिनेशन है, इसलिए आपको दोनों के फायदे मिलते हैं। आप घर पर खुद जुम्बा कर सकते हैं या YouTube वीडियो के चरणों का पालन कर सकते हैं या जुम्बा क्लास में शामिल हो सकते हैं और अपने डांसिंग दोस्तों के साथ कैलोरी बर्न कर सकते हैं।

सीढ़ियाँ चढ़ना : यह एक प्रभावी व्यायाम है, क्योंकि यह जांघों, पिंडलियों और ग्लूट्स सहित कई अलग-अलग मांसपेशियों पर काम करता है, और तेज गति से किए जाने पर प्रति घंटे 400 से अधिक कैलोरी बर्न कर सकता है। आप अपनी गति बढ़ाकर या सीढ़ियों से ऊपर और नीचे जाते समय हाथ में छोटे वजन उठाकर इसे और अधिक चुनौतीपूर्ण बना सकते हैं।

रस्सी कूदना : रस्सी कूदना पूर्ण शरीर कसरत कंधे और हाथ की कार्रवाई को शामिल करके आपके कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य और शरीर समन्वय में सुधार करते हुए आपके कोर को जोड़ती है और आपके क्वाड और ग्ल्यूट्स को सक्रिय करती है।

चाय के साथ खाएं मसालेदार ब्रेड आलू सैंडविच

एक बाउल में उबले हुए आलू डालें।अब कटा हुआ प्याज, उबले मटर, नमक, चाट मसाला, काली मिर्च पाउडर, गरम मसाला और लाल मिर्च पाउडर डालें।मिश्रण तैयार करने के लिए अच्छी तरह मिलाएं। अब एक स्लाइस पर एक बड़ा चम्मच केचप और दूसरे स्लाइस पर एक बड़ा चम्मच पुदीने की चटनी फैलाएं।आधे मिश्रण का प्रयोग करें और एक स्लाइस पर फैलाएं।इसके ऊपर एक और स्लाइस रखें।सैंडविच तैयार करने के लिए इसे थोड़ा नीचे दबाएं। दोहराते हुए एक और सैंडविच बनाएं। आप परोसने से पहले ब्रेड स्लाइस के किनारों को काट सकते हैं।आप सैंडविच को दोनों तरफ बटर लगाकर भी ग्रिल कर सकते हैं और इसे केचप और चटनी के साथ सर्व करें।

तो ऐसे में नहीं पीना चाहिए नारियल पानी

कोकोनट वाटर यानी नारियल पानी आज के दौर में सबसे शुद्ध पेय पदार्थ माना जाता है। कई विटामिन्स और मिनरल्स का बेस्ट सोर्स नारियल पानी हेल्थ ही नहीं स्किन पर निखार लाने में मदद करता है। स्वास्थ्य का खयाल रखने और वजन घटाने के लिए लोग कई तरीकों से नारियल पानी को डाइट का हिस्सा बनाते हैं। लोग वर्कआउट के बाद या सुबह खाली पेट इसका सेवन करते हैं। वैसे क्या आप जानते हैं कि फायदा पहुंचाने वाली ये ड्रिंक नुकसान का कारण भी बन सकती है। इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि नारियल पानी किन-किन हेल्थ प्रॉब्लम्स का कारण बन सकता है।

नारियल पानी को खाली पेट पीना

वजन कम करने समेत कई फायदों के लिए लोग नारियल पानी को खाली पेट पीते हैं। एक्सपर्ट कहते हैं कि अगर आप खाली पेट नारियल पानी पीते हैं, तो इसकी मात्रा कम ही रखें। ज्यादा पानी का सेवन करने से ब्लोटिंग या पेट खराब होने की समस्या हो सकती है।

सफर में न पिएं कोकोनट वाटर

ट्रैवलिंग करते समय लोग बाहर का फूड खाते हैं, लेकिन कुछ हेल्थ को ठीक रखने के लिए नारियल पानी पीते हैं। सफर में अगर आप खाली पेट इसका सेवन करते हैं, तो आपको गैस्ट्रिक प्रॉब्लम हो सकती है। उल्टी का शुरू होना और पेट में दर्द या चक्कर आना जैसी समस्याएं घंटों तंग कर सकती हैं।

ठंड में न पिएं पानी

कई रिसर्च के मुताबिक नारियल पानी की तासीर ठंडी होती है और ठंड में इसे पीना आपको कोल्ड का मरीज बना सकता है। सुबह और शाम के बजाय दोपहर में नारियल पानी को पिएं, लेकिन इस दौरान भी इसकी मात्रा कम रखें।

हो सकती है एलर्जी

एक रिपोर्ट के मुताबिक जिन्हें ट्री नट्स से एलर्जी हो, उन्हें नारियल पानी से भी एलर्जी हो सकती है। जिन्हें पहले से एलर्जी की दिक्कत हो उन्हें डॉक्टर की सलाह पर ही नारियल पानी को डाइट का हिस्सा बनाना चाहिए। वैसे नारियल पानी से एलर्जी पर अभी और रिसर्च की जरूरत है।

फॉरेन ट्रैवल का खर्च हो जाएगा आधा

जानिएं तरकीब

विदेश की यात्रा करना आज भी अधिकतर भारतीयों का सपना है, क्योंकि इसे करने में मोटा पैसा खर्च होता है। आम आदमी अपने बजट के चक्कर में इसे टालता ही रहता है। वैसे स्मार्ट बनकर सोचा जाए, तो यात्रा के इस खर्च को आधा किया जा सकता है। चलिए आपको बतातें हैं ऐसी कुछ तरकीबें...

डेस्टिनेशन का सिलेक्शन : आपको अपनी डेस्टिनेशन ऐसी चुननी चाहिए, जहां भारतीय रुपया वहां की करेंसी से महंगा हो। इसके अलावा विदेश यात्रा के लिए डेस्टिनेशन के ऑप्शन्स की लिस्ट बनाकर इन पर थोड़ा रिसर्च करें। यकीन मानिए ये तरकीब फॉरेन ट्रिप पर बहुत काम आएगी।

ट्रैवल ब्लॉगर्स आएंगे काम : सोशल मीडिया का चलन इतना बढ़ गया है कि इसकी मदद से आज कई चीजों में घर बैठे मदद मिलने लगी है। ऐसा ही कुछ ट्रैवलिंग के साथ भी है। फॉरेन ट्रिप के लिए गूगल पर ब्लॉगर्स को सर्च करें और उनके सुझाए हुए तरीकों को ध्यान में रखकर फॉरेन ट्रिप का प्लान बनाएं।

ऑफ सीजन में जाए : चाहे आप भारतीय टूरिस्ट स्पॉट्स पर जाएं या विदेशी, हमेशा ऑफ सीजन में ट्रैवलिंग का प्लान बनाएं। विंटर की छुट्टियों में सीजन रहता है और इसमें विदेश की यात्रा पर जाने से बचें। वैसे फ्लाइट की टिकट बुकिंग के लिए मेटा सर्च की मदद लें, क्योंकि इसमें कुछ कंपनियां एक्सट्रा चार्ज नहीं जोड़ती हैं।

लोकन फूड ही खाएं : ज्यादातर लोग फॉरेन ट्रिप के दौरान अपने होटल या रेस्टोरेंट में खाना खाने की गलती करते हैं। इसके लिए भी आपको स्मार्ट बनकर सोचना चाहिए। आप जिस भी जगह घूमने जा रहे हैं, उस जगह को एक्सप्लोर करें और जानें कि वहां के लोकल लोग कहां से खाना खाते हैं। खाने का खर्च आधे से भी आधा हो सकता है।

वॉलंटीयर बनें : वैसे अगर विदेश घूमने के साथ-साथ काम के सिलसिले में जा रहे हैं, तो आप एक हफ्ते के लिए वॉलंटीयर जरूर करें। ये तरीका खर्च उठाने में बहुत मदद कर सकता है।

बालों का गिरना होगा कम

सर्दी में बाल ज्यादा गिरते हैं और इसकी वजह बाहर की हवा का ड्राई होना है। ड्राई होने से स्कैल्प ड्राई होने लगती है और इस कारण हेयर फॉल शुरू हो जाता है। वैसे आप इन तरीकों से बालों का झड़ना या इनका गिरना कम कर सकते हैं। जानें...

ऑयल मसाज : दादी-नानी के इस नुस्खे को अपनाने की सलाह ब्यूटी एक्सपर्ट भी देते हैं। हफ्ते में दो बार बालों में तेल लगाने से बालों में नमी की कमी दूर होती है। इस ट्रिक का असर आपको कुछ ही दिनों में दिखने लगेगा।

हीटिंग टूल्स पहुंचाते हैं नुकसान : बालों को हीटिंग टूल्स से स्टाइलिश बनाना आज आम बात है, पर ये तरीका उन्हें कमजोर और बेजान बना सकता है। हेयर फॉल का सबसे बड़ा कारण माने जाने वाले हीटिंग टूल्स से जितनी दूरी बनाए रखेंगे आपके बालों के लिए उतना ही अच्छा है।

हेल्दी चीजें खाएं : हम जो खाते हैं उसका असर हमारी सेहत ही नहीं त्वचा और बालों पर भी पड़ता है। खराब डाइट बालों के झड़ने का कारण बन सकती है, इसलिए ऐसी डाइट लें, जिसमें विटामिन्स और मिनरल्स, प्रोटीन और हेल्दी फैट हो।

हाइड्रेट रहे : सर्दियों में लोग कम पानी पीते हैं, पर हमें दिन में कम से कम 3 लीटर पानी जरूर पीना चाहिए। ये बात जानते हुए इसे इग्नोर करने की गलती हेयर फॉल, डल स्किन की समस्या को पैदा कर सकती है। ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं और हाइड्रेट रहे।

शहरी परिवहन का नया स्वरूप

भारत के शहर अभूतपूर्व गति से विकसित हो रहे हैं। रोज़मर्रा की यात्रा से लेकर लास्ट-माइल कनेक्टिविटी तक, शेयर्ड मोबिलिटी एक सस्ती, सुलभ और पर्यावरण-अनुकूल शहरी परिवहन व्यवस्था के रूप में उभर रही है। लेकिन इलेक्ट्रिक वाहनों की दिखने वाली बढ़त से आगे, एक और गहरा परिवर्तन जारी है। तकनीक दोपहिया वाहनों के संचालन को पहले से कहीं अधिक सुरक्षित, स्मार्ट और कुशल बनाते हुए नए ढंग से परिभाषित कर रही है। यह बात ईवी, युलु के एसोसिएट डायरेक्टर अलोका ने कही। आज नवाचार की एक नई लहर डेटा, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस और रियल-टाइम इनसाइट्स को लोगों की गतिशीलता से जोड़कर पूरे शेयर्ड मोबिलिटी इकोसिस्टम को बदल रही है। AI, IoT और एडवांस्ड एनालिटिक्स को दैनिक संचालन में शामिल कर, ई-मोबिलिटी कंपनियाँ ऐसे सिस्टम बना रही हैं जो न केवल कुशल हैं, बल्कि उपयोगकर्ता व्यवहार और शहर की ज़रूरतों के प्रति अत्यंत संवेदनशील भी हैं।

यहाँ पाँच प्रमुख तकनीकी नवाचार दिए गए हैं, जो आज शेयर्ड इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बदल रहे हैं:

1. एआई-आधारित डिमांड प्रेडिक्शन

आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस अब यह तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है कि साझा वाहन व्यवस्था को कैसे तैनात किया जाए। ट्रिप हिस्ट्री, मौसम की स्थिति और स्थानीय आयोजनों जैसे घटकों का विश्लेषण करके, एआई मॉडल यह अनुमान लगा सकते हैं कि, किस जगह और किस समय मांग बढ़ेगी या घटेगी। इससे ऑपरेटर सही समय पर सही स्थान पर वाहन उपलब्ध करा पाते हैं, जिससे वाहनों का निष्क्रिय समय घटता है, उपलब्धता बढ़ती है, और उपयोगकर्ताओं को बेहतर, बिना रुकावट वाली सेवा मिलती है।

2. IoT-सक्षम प्रिवेंटिव राइड मेंटेनेंस

आज सड़क पर चलने वाला हर वाहन डेटा का एक संभावित स्रोत है। IoT सेंसर की मदद से वाहनों और उनके विभिन्न घटकों के प्रदर्शन की रियल-टाइम निगरानी की जा सकती है। इससे बेड़ा संचालित करने वाले संभावित समस्याओं को पहले ही पहचान सकते हैं—इससे पहले कि वे किसी बड़ी खराबी या सेवा बाधा में बदल जाएँ।

यह प्रीडिक्टिव मेंटेनेंस न केवल राइडर की सुरक्षा बढ़ाता है, बल्कि वाहनों को हमेशा सर्वोत्तम स्थिति में बनाए रखता है, जिससे डाउनटाइम कम होता है, और उपयोगकर्ताओं का भरोसा और संतुष्टि दोनों बढ़ते हैं।

3. गलत दिशा में वाहन चलाने की पहचान (Wrong-way Ride Detection)

शेयर्ड मोबिलिटी में सुरक्षा केवल हेलमेट और नियमों तक सीमित नहीं है। अब उन्नत GPS-आधारित सिस्टम यह पहचान सकते हैं कि कब कोई वाहन ट्रैफिक की दिशा के विपरीत चल रहा है, और तुरंत ही राइडर तथा ऑपरेशन टीम—दोनों को अलर्ट भेजते हैं। यह सक्रिय सुरक्षा सुविधा न केवल दुर्घटनाओं को रोकने में मदद करती है, बल्कि जिम्मेदार व्यवहार को भी बढ़ावा देती है।

इससे शहरों में सड़क सुरक्षा में सुधार होता है, अनुशासन बढ़ता है, भीड़भाड़ कम होती है, और समग्र रूप से सुरक्षित व व्यवस्थित यातायात को प्रोत्साहन मिलता है।

4. स्मार्ट बैटरी स्वैपिंग नेटवर्क

घने बैटरी चार्जिंग और स्वैपिंग नेटवर्क, शेयर्ड मोबिलिटी सेवाओं की रीढ़ माने जाते हैं। लेकिन उपयोगकर्ताओं को सर्वोत्तम सेवा देने के लिए बैटरी ऑपरेटरों को इन स्टेशनों की सटीक योजना बनानी होती है। यहीं पर एडवांस्ड डेटा एनालिटिक्स मदद करता है—जिससे स्थान, बुनियादी ढाँचा, क्षमता और संचालन समय को लेकर अधिक सूचित और परिस्थिति-विशिष्ट निर्णय लिए जा सकते हैं। स्मार्ट हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की मदद से अब फुल-सर्विस स्वैपिंग मॉडल—जहाँ स्टाफ राइडर्स को बैटरी चार्ज या स्वैप करने में मदद करते हैं—से आगे बढ़कर असिस्टेड और DIY (डू-इट-योरसेल्फ) मॉडल की ओर बदलाव हो रहा है। इन नए मॉडलों में स्टेशन "बैटरी एटीएम" की तरह काम करते हैं, जिनमें उपयोगकर्ता कुछ ही मिनटों में स्वयं आकर बैटरी स्वैप कर सकते हैं।

5. एडवांस्ड बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम (BMS)

स्मार्ट बैटरी चार्ज और स्वैप सिस्टम ई-मोबिलिटी बेड़ों को कम लागत में उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित, समय पर और विश्वसनीय सेवा प्रदान करने में सक्षम बनाते हैं। इस पूरी व्यवस्था की मुख्य तकनीक बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम (BMS) है।

सरल शब्दों में, BMS बैटरी के महत्वपूर्ण पैरामीटर—जैसे तापमान, वोल्टेज और चार्ज स्तर—की निगरानी करता है ताकि EV में ओवरचार्जिंग, ओवरहीटिंग या राइड के दौरान अचानक बैटरी खत्म होने जैसी समस्याएँ न हो सकें।

ये गहन इनसाइट्स ऑपरेटरों को बैटरियों की समय रहते मरम्मत या बदलने में सक्षम बनाती हैं, जिससे बेहतर वाहन उपलब्धता, उच्च सुरक्षा, और लंबी बैटरी लाइफ सुनिश्चित होती है।

जिला न्यायालय बेमेतरा में वर्ष का अंतिम नेशनल लोक अदालत का सफलता पूर्वक हुआ आयोजन

बेमेतरा। जिला न्यायालय बेमेतरा में वर्ष की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें सरोज नंद दास, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दीप प्रज्जवलन कर लोक अदालत का शुभारंभ कर कार्यक्रम में उपस्थित न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण व न्यायिक कर्मचारीगण को अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण करने हेतु प्रोत्साहित कर शुभकामनाएं दी गई। माननीय अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा द्वारा लोक अदालत की विशेषता बताते हुए कहा कि पक्षकारों के मन में पुराने समय से चल रही वैमनस्यता को दूर करने के लिए लोक अदालत बहुत अच्छा माध्यम है। यह एक राष्ट्र के प्रति सेवा है. जिसमें हने बढ़ बढ़कर अपनी सहभागिता देनी चाहिए, तथा न्यायालय में लंबित मामलों के अधिक से अधिक निराकरण कर सौहाद्रपूर्ण वातावरण का निर्माण कर राष्ट्र के विकास में सहयोग प्रदान करना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायलय नीलिमा सिंह बघेल द्वारा अपने उद्बोधन में पक्षकारों, अधिवक्ताओं को सकिय भागीदारी निभाते हुए लोक अदालत को सफल बनाने हेतु कहां गया। लोक अदालत में जिला न्यायालय प्रांगण में जिले के कोने-कोने से पक्षकार अपने प्रकरणों के निराकरण के लिए उपस्थित हुये, जिनकी सुविधा के लिए विधिक सहायता डेस्क, स्वचलित चिकित्सकीय वेन, स्वास्थ्य डेस्क, यातायात जागरूकता डेस्क व समस्त बैंक, विद्युत विभाग, फाइनेंस कंपनी द्वारा संचालित डेस्क लगाई गयी। नेशनल लोक अदालत हेतु जिला न्यायालय में 8 खण्डपीठ और तहसील ताजा न्यायालय में । खण्डपीठ इस प्रकार जिला में कुल 9 न्यायालयीन खण्डपीठ का गठन कर दो-दो सुलहकर्ता सदस्यों की नियुक्ति की गई। उक्त नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन वो अनुक्रम में समस्त न्यायालीन कर्मचारी, पैरालीगल, वालेंटियर्स, जिला प्रशासन, जिला एवं जनपद पंचायत, नगर पालिका, विद्युत विभाग, जिले की समस्त बैंको सहित अन्य समस्त विभागों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ है। जिले 9934 प्री-लिटिगेशन व लंबित प्रकरणों को निराकरण हेतु रखा गया था जिसमें से राजस्व प्रकरण, विद्युत विवाद बैंक प्रकरण व बी.एस.एन.एल. प्रकरणों का निराकरण कर कुल 68,43.086/- रूपये की वसूली की गई। न्यायालय में लंबित 25 अपराधिक प्रकरण, 28 सिविल प्रकरण, 15 पारिवारिक प्रकरण, 12 एनआई एक्ट धारा 138 प्रकरण, 20 मोटर दुर्घटना दावा च 2731 अन्य प्रकरण का निराकरण कर कुल 2.37,23,601 रूपये का अवार्ड पारित कर जिलें में रिकॉर्ड अनुसार 3,05,66,687/- रूपये की समझौता राशि वसूली गई। नेशनल लोक अदालत में नालसा एवं सालसा योजनाओं एवं अभियानों की व्यापक प्रचार-प्रसार करने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा द्वारा योजनाओं / अभियानों एवं कानूनी के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में न्याय वृक्ष एवं द्वार तोरन बनाकर प्रदर्शनी के माध्यम से नेशनल लोक अदालत में आये पक्षकारों को नालसा एवं सालसा द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दिया तथा न्याय सबके लिए संदेश देते हुये बाल विवाह एवं बलात्कार पीड़िता के गर्भ का चिकित्सीय समापन, मोटर यान अधिनियम, हिट एन रन, साइबर काईम, निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह व अन्य विधिक विषयों से संबंधित पाम्पलेट का वितरण किया गया। तथा प्रेरणादायक सुविचारों को छोटे-छोटे तख्तियों के माध्यम से समस्त न्यायालय परिसर में लगाकर पक्षकारों को आपसी रंजीश, नफरत व वैमनस्यता को दूरकर समझौता करने, बाल विवाह रोकने में सहयोग प्रदान करने एवं सड़क सुरक्षा हेतु प्रोत्साहित किया। नेशनल लोक अदालत में उपस्थित पक्षकारों को विधिक रूप से जागरूक करने हेतु लघु फिल्मों का प्रसारण एवं महिलाओं के विरूद्ध अपराध व साइबर काईम विषय पर किया गया। जिला न्यायालय परिसर में आमजन को विधिक रूप से जागरूक करने हेतु प्रोजेक्टर के माध्यम से घरेलू हिंसा, लैंगिक अपराधों से संबंधित, महिलाओं से छेड़छाड़ व साईबर क्राईम, मोटर दुध टिना सहित विभिन्न विषयों पर लघु फिल्म दिखायी गयी, जहां पक्षकारों के लिए बैठक व पेय जल की व्यवस्था की गई। साथ ही प्राधिकरण की गतिविधियों की झलकियां भी दिखाई गई।

परिवारिक एवं अन्य मामलों के झगड़ों में न्यायाधीश ने समझाईश देकर कराया राजीनामा

नेशनल लोक अदालत में पति, जेठ, जेठानी, सास व ससुर गाली गलौज देते हुए मारपीट कर शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक रूप से परेशान करने का प्रकरण पेश हुआ था जिसे न्यायिक मजिस्ट्रेट, मो. जहांगीर तिगाला द्वारा रिश्तो की अहमियत को बतातें हुए समझाईश दिये जाने पर दोनों पति एवं पत्नि का विवाद बिना किसी डर, दबाव एवं भय के स्वतंत्र सहमति के आधार पर आपसी राजीनामा किया गया। वही दूसरे प्रकरण बेटा बहू को डीजे में परधा रहे थे, जिसमें चाचा भतीजा नाचते नाचते आपस में धक्का मुक्का एवं हाथ में पहने हुए चूड़ा से मारपीट कर एक दूसरे को जान से मारने की धमकी देकर मारपीट करने का मामला पेश किया गया था। जहां पीठासीन अधिकारी द्वारा दोनों पक्षो के मध्य आपसी सहमति से राजीनामा कराया गया।

दो पक्षों के बीच हुए विवाद में हुए राजीनामा

पीठसीन अधीकारी श्रुति साहू के न्यायालय में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के विरुद्ध धारा-294, 323 सहपठित धारा-34 एवं 506 भाग-2 भारतीय दण्ड संहिता के अंतर्गत मामला पेश किया गया था। उक्त प्रकरण में दोनों पक्षों द्वारा बिना किसी डर, दबाव व प्रलोभन के स्वेच्छयापूर्वक अभियुक्तगण के साथ राजीनामा किया गया है। प्रकरण वर्ष 2024 से लबित प्रकरण है, जिसमें नेशनल लोक अदालत में आहतगण एवं अभियुक्तगण के मध्य सफलतापूर्वक राजीनामा की कार्यवाही पूर्ण हुई है।

पक्षकारों को प्रोत्साहन स्वरूप किया गया पौधों का वितरण

नेशनल लोक अदालत में आये पक्षकारों को निःशुल्क पौधा वितरण डेस्क से फलदार, छायादार पौधों का वितरण कर प्रोत्साहित किया गया। साथ ही पक्षकारों के लिए सेल्फी जोन भी रखा गया। समझौता करने वाले पक्षकरों को न्यायालय के पीठासीन अधिकारी द्वारा तुलसी का पौधा भेंट कर प्रोत्साहित किया। यातायात जागरूता एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत् जागरूकता शिविर का आयोजन। नेशनल लोक अदालत में आये पक्षकारों को सड़क सुरक्षा, मोटर यान अधिनियम व बाल विवाह के प्रति जागरूक करने हेतु पुलिस विभाग के सहयोग से यातायात जागरूकता शिविर एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत् शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें दूर-दराज से आये पक्षकारों को यातायात के संबंध में दिशा निर्देश देते हुए बाल विवाह मुक्त भारत के तहत् बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, निष्पादन एमएसीटी के प्रकरण, आर्बिटल प्रकरण एवं सिविल अपील में अवार्ड पारित किया गया। सरोज नंद दास प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा के न्यायालय में अपीलार्थी द्रौपती बाई, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश, जिला बेमेतरा द्वारा पारित निर्णय से क्षुब्ध होकर सरस्वती बाई तर्फ चन्द्रकुमारी व तीन अन्य के विरूद्ध नगर पालिका द्वारा दिये गये पट्टे पर दिये गये मछली मार्केट स्थित दुकान मांक 01. भद्रकाली मंदिर के पिछे बाजार पारा वार्ड नं. 18 स्थित मकान एवं अन्य विवादित भूमि के संबंध में प्रस्तुत अपील में अपीलार्थी एवं उत्तरवादीगण के द्वारा वादग्रस्त सम्पत्ति को आधी आधी बांटते हुये राजीनामा कर प्रकरण को समाप्त किया गया। खण्डपीठ मांक 03 पीठासीन अधिकारी देवेन्द्र कुमार के समक्ष ग्राम दूरा सेमरिया के निर्णीतत्रऋणीगण राजेन्द्र राय के द्वारा श्रीराम ट्रांसपोर्ट फायनेंस कंपनी लिमिटेड से लोन लिया गया था एवं निर्णीतत्रऋणीगण के द्वारा राशि अदायगी नहीं किये जाने पर उसके द्वारा न्यायालय के सक्ष कुल 7.44,356 दो आर्बिटेशन प्रकरण प्रस्तुत किया गया था, जिसमें निर्णीतत्रऋणीगण की आर्थिक दशा को देखते हुए आज्ञाप्तिधारी ने दोनों प्रकरणों में केवन 1,00,000/- में राजीनामा किया गया है। इसी तरह इण्डसइण्ड कंपनी लिमिटेड के द्वारा निर्णीतत्रऋणीके विरुद्ध 7.23.315 रूपये के आर्बिटल प्रकरण में उनकी आर्थिक स्थिति को देखते हुए केवल 1.16,000 /- रूपये की रिकवरी कर राजीनामा किया गया है।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म में अश्लील गालियां देते हुए वायरल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। सोशल मीडिया प्लेटफार्म में अश्लील गालियां देते हुए वायरल करने वाला आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। सोशल मीडिया प्लेटफार्म में अश्लील, गाली-गलौज या अपमानजनक टिप्पणी करना एक कानूनी अपराध है, जिसके लिए जेल और जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है। 04.11.2025 को प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म आईडी सुमित विरानी आईडी का धारक द्वारा ईलेक्ट्रानिक उपकरण का उपयोग कर सोशल मिडिया प्लेटफार्म में अश्लील गालियां देते हुए वायरल करने की रिपोर्ट पर थाना बेमेतरा में धारा 296, 351 (4) भारतीय न्याय संहिता, 67 आईटी एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की जानकारी अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशानुसार, अति. पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह एवं प्रभारी एसडीओपी बेमेतरा कौशिल्या साहू के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक मयंक मिश्रा के साथ थाना स्टाफ द्वारा विवेचना कार्य प्रारंभ की गई। प्रकरण में विवेचना के दौरान सोशल मिडिया प्लेटफार्म में अश्लील गालियां देते हुए वायरल करने वाला सोशल मीडिया प्लेटफार्म आईडी सुमित विरानी आईडी का धारक सुमीत विरानी को पकड़ा गया। आरोपी के पास से पुरानी मोबाईल कीमती करीबन 20 हजार रूपये को जप्त किया गया। आरोपी सुमीत विरानी पिता बच्चू मल विरानी उम्र 26 वर्ष, निवासी बेमेतरा, हाल पता तोरवा थाना तोरवा जिला बिलासपुर को विधिवत गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही की गई। इस संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक मयंक मिश्रा, प्रधान आरक्षक भुषण ठाकुर, हेमंत साहू, आरक्षक राजेन्द्र मेरावी, श्रवण वर्मा, राहुल यादव, मनीष मिश्रा, बिरेन्द्र साहू सहित थाना बेमेतरा के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा। सोशल मीडिया पर अश्लील, गाली-गलौज या अपमानजनक टिप्पणी करना एक कानूनी अपराध है, जिसके लिए जेल और जुर्माने दोनों की सज़ा हो सकती है। अपमानजनक टिप्पणी और किसी को धमकाने वाले संदेश या गाली-गलौज भेजना अपराध है।

संस्कारों से सशक्त समाज का होता है निर्माण: दीपेश साहू

सिलघट में आयोजित 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में विधायक दीपेश साहू हुए शामिल

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के ग्राम सिलघट भीमभौरी में 10 से 13 सितंबर तक अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांति कुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में एवं महिला एवं बाल विकास परियोजना बेमेतरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं संस्कार महोत्सव भव्यता और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। इस आयोजन के अंतर्गत 1056 गर्भवती माताओं का गर्भोत्सव संस्कार एवं 93 जोड़ों का मुख्यमंत्री कन्या आदर्श विवाह संस्कार सम्पन्न कराया गया, जो सामाजिक समरसता, नारी सम्मान एवं भारतीय संस्कृति का अनुपम उदाहरण है। कार्यक्रम के अंतिम दिन समापन समारोह में दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप मे बेमेतरा विधायक दीपेश साहू उपस्थित रहे। इसके साथ पूर्व विधायक अवधेश सिँह चंदेल सहित सहित भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्त्ता जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के विराट एवं अनुशासित आयोजनों के पीछे आयोजन समिति, शांति कुंज हरिद्वार परिवार, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्थानीय प्रशासन एवं सैकड़ों स्वयंसेवकों का अथक परिश्रम छिपा हुआ है। उन्होंने कहा कि आयोजन समिति ने सेवा भावना, समर्पण और उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के साथ इस संस्कार महोत्सव को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया है, जो पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत है।

विधायक साहू ने आयोजन समिति के सभी सदस्यों को साधुवाद देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने और समाज को संस्कारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। अंत में विधायक दीपेश साहू ने पुष्प वर्षा कर सभी नवविवाहित जोड़ों को नवदांपत्य जीवन में प्रवेश करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखमय, समृद्ध एवं संस्कारपूर्ण जीवन की मंगलकामना की।

ग्राम मटंग टी बी मरीज मुक्त ग्राम घोषित

पाटन। पाटन ब्लॉक के ग्राम पंचायत मटंग ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है– टी बी मरीज मुक्त ग्राम घोषित हुआ है। कल स्वास्थ्य विभाग ने इस खुशी का ऐलान किया, और सरपंच अमित हिरवानी ने कहा कि यह सफलता ग्रामवासियों की जागरूकता और मितानिनों के सहयोग के बिना संभव नहीं थी। सभी ग्रामीणों को हार्दिक बधाई। इस खास मौके पर गोवर्धन साहू, राजेश साहू, देवकुमार साहू, रिखी देवांगन, संतराम यादव, हरबंश साहू, कुबेर लेंझवार, मितानिन सरस्वती वर्मा, पुनवार्तिन साहू, कुंती और स्वास्थ्य विभाग से रूपाली यादव मौजूद रहीं। यह एक प्रेरणादायक कदम है। क्या आपको लगता है कि इस तरह के अभियानों से और गांवों को भी प्रोत्साहित किया जा सकता है।

सभापति प्रणव शर्मा ने सेजस विद्यालय जामगांव-एम का किया निरीक्षण

पाटन। मुख्यमंत्री के शिक्षा गुणवत्ता अभियान अंतर्गत सभी शासकीय शालाओं में किये गये सामाजिक अंकेक्षण के परिणाम अनुसार जिले के 188 विद्यालय डी ग्रेड में चिन्हित की गई हैं। राज्य कार्यालय से प्राप्त निर्देशानुसार उक्त शालाओं के निरीक्षण हेतु माननीय जनप्रतिनिधि / चयनित अधिकारी द्वारा विद्या समीक्षा केन्द्र माध्यम से निर्मित एप्प पर 15 दिसंबर तक प्रत्येक शाला का दो बार निरीक्षण किया जाना अनिवार्य किया गया है, इसके अंतर्गत क्षेत्र के लोकप्रिय जनप्रतिनिधि सभापति यूवा इंजीनियर प्रणव शर्मा द्वारा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जमगाँव(एम) का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान नव नियुक्त प्राचार्य एवं शिक्षक भी साथ में रहे, परीक्षा के चलते अधिकांश बच्चे विद्यालय में नहीं थे, निरीक्षण में शौचालय और लेब में साफ सफाई की कमी, पुस्तकालय का बच्चों द्वारा कम उपयोग किया जाना, ग्रीनरी का अभाव, खेल सामग्री की कमी से खेल में रुचि रखने वाले छात्र छात्राओं को असुविधा, पानी आपूर्ति हेतु अतिरिक्त बोर की आवश्यकता, के साथ ही हिंदी माध्यम में माध्यमिक विद्यालय में एक भी शिक्षक नहीं होने, प्यून, लैब असिस्टेंट, क्लर्क, शिक्षक शिक्षिकाओं की कमी होना पाया गया। उपस्थित छात्र-छात्राओं से पाठ्यक्रम, पढ़ाई, खेलकूद, अन्य गतिविधियों पर चर्चा किया गया सभी विषयों पर विस्तृत वृहद विचार निरीक्षण में शिक्षक शिक्षिकाओं, प्राचार्य व सभी स्टाफ का अनुकूल सहयोग प्राप्त हुआ, सभी स्टाफ में आपसी सामंजस्य की भावना का होना प्रतीत हुआ, इंजीनियर युवा जनप्रतिनिधि द्वारा विद्यालय के निरीक्षण से सभी आशान्वित हुए, उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग कर सर्वोत्तम शिक्षा गुणवत्ता सुधार हेतु प्रयास किए जाने हेतु जोर दिया गया। सभापति प्रणव शर्मा एवं समाजसेवी मनोज सोनी जी द्वारा विद्यालय में खेल सामग्री हेतु तत्काल आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। सभापति जी ने विभिन्न प्रकार के निरीक्षण से संतुष्ट होकर प्रसन्नतापूर्वक क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ शासकीय विद्यालय के रूप में पूर्व की भांति स्थापित होने की आशा व्यक्त की। उक्त निरीक्षण में एसएमडीसी अध्यक्ष कुलेश्वर देवांगन, सरपंच तुलसी सिन्हा, मनोज सोनी, प्रशांत शर्मा, प्राचार्य सोनाली सेन, व्याख्याता राजेश कुमार वर्मा, आर पांडे, योगिता राजपुरोहित, संकुल समन्वयक मुकेश सपहा, शिक्षक डीके वर्मा, प्रधान पाठिका श्रीजी अनूप, हर्षिता देवांगन एवं समस्त स्टाफ की उपस्थिति रही।

21 दिसंबर को विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन

दल्लीराजहरा। नगर दल्ली राजहरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 21 दिसंबर को विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन श्री राम मंदिर के पास किया जा रहा है। आयोजन के संबंध में गत दिनों श्री राम मंदिर प्रांगण में आवश्यक बैठक रखी गई थी जिसमें निर्णय लिया गया है कि यह आयोजन रविवार 21 दिसंबर को सुबह 11:00 बजे से 2:00 तक होगा। जिसमें नगर में भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी कलश यात्रा उपरांत श्री राम मंदिर के पास नववर्ष की तरह विशाल मंच तैयार किया जाएगा। कार्यक्रम का प्रारंभ भारत माता की आरती से होगी। इस कार्यक्रम में प्रमुख संतों को आमंत्रित किया जाएगा जिसमें हिंदू धर्म के संबंध में उनके वक्तव्य होगा। कार्यक्रम में लघु नाटक का भी मंचन एवं भजन मंडली का मंचन होगा। साथ ही कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इन 100 सालों में किन किन विषम परिस्थितियों पर से गुजर कर आज खड़ा हुआ है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापकों ने आरएसएस को खड़ा करने में कितनी विपदाएं झेली है। इस संबंध में विस्तृत से जानकारी दिया जाएगा। सभा समाप्ति उपरांत उपस्थित जनों के लिए दोपहर की भोजन की व्यवस्था भी की जाएगी। कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रण पत्र राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्यों के द्वारा नगर पंचायत चिखलाकसा तथा आसपास के ग्रामीण अंचलों में दिया जा रहा है।

शिवमहापुराण समापन पर शिव-महिमा का विराट उद्घोष : स्वामी ज्योतिर्मयानंद

बेमेतरा। गौ प्रतिष्ठा यज्ञ एवं शिवमहापुराण कथा के आयोजन स्थल पर दण्डि स्वामी ज्योर्तिमयानंदः सरस्वती जी के प्राकट्य दिवस पर उन्हें बधाई लेनें वालों का तांता लगा रहा। कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित शिवमहापुराण कथा के समापन दिवस पर कथा-स्थल श्रद्धा, भक्ति और दिव्य चेतना से सराबोर दिखाई दिया। अंतिम दिन का वातावरण ऐसा था मानो कैलास की छाया स्वयं धरती पर उतर आई हो। मंचासीन स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती ने शिव-महिमा का ऐसा पुराण वर्णित कथा को गूढ़ और करुणा-पूर्ण श्रवण कराया कि श्रोता घंटों तक कथा-रस में निमग्न रहे।स्वामी जी ने कहा कि भगवान शिव कोई सीमित देव-प्रतिमा नहीं, बल्कि करुणा, क्षमा और सादगी के साक्षात् स्वरूप हैं। वे पार्वती के पति, गणेश-कार्तिकेय के पिता, भक्तों के उद्धारक और सुर-असुर, नर-नारी– सभी के आराध्य हैं। उनकी महिमा का वर्णन करने बैठ जाएं तो समय स्वयं छोटा पड़ जाए। अनजाने में भी शिवभक्ति व्याध से शिव पूजन हो गई उसका जीवन फलदायक हो गया वह अगले जन्म धार्मिक व्यक्ति हो गया। स्वामी ने कहा शिव कथा से मनुष्य का इस जीवन तो क्या जनम जन्म का जीवन सुधर जाता है।अज्ञानता में भी की गई शिव-आराधना मोक्ष का द्वार खोल देती है निष्कपट भाव ने उसे पुण्यात्मा बना दिया। भगवान शिव के साक्षात् प्रकट होकर वरदान देने की कथा बताती है शिव जी कल्याणकारी देव है। स्वामी ज्योतिर्मयानंद ने रामायण का उदाहरण पेश करते हुए भी कहा कि राम ने स्वयं कहा है, शिव द्रोही मम दास का कहावा, सो नर मोहि सपनेहूं नहीं पावा। शिव के स्वरूप का वर्णन करते हुए उन्होंने जटाजूट, भस्म, रुद्राक्ष, गंगा-चंद्र, त्रिशूल-डमरू और कैलासवास का अदभुत चित्र खींचा। नंदी की उत्पत्ति, नरसिंह-शरभ अवतार, पितृ-तृप्ति, भैरव स्वरूप और हनुमान को शिव के परम सत्य रूप में स्थापित करते हुए कथा को व्यापक आध्यात्मिक आयाम दिया। बाघम्बर कथा से कहा जा सकता है–कि जंगल का राजा हो या समाज का तुच्छ प्राणी सब पर शिव का प्रभाव है। स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती के अनुसार, सृष्टि में ऐसा कोई स्थान, कोई प्राणी या कोई अस्तित्व नहीं है जो शिव से अलग हो। जहाँ दृष्टि जाती है, वहाँ शिव का ही विस्तार है–सम्पूर्ण संसार शिवमय है। नंदी की उत्पत्ति और बाघंबर से जुड़ी कथा का संक्षिप्त वर्णन करते हुए बताया कि हिरण्यकशिपु वध के बाद भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार का उग्र क्रोध शांत करने हेतु भगवान शिव ने शरभ अवतार धारण किया, जो आधा सिंह और आधा पक्षी का अदभुत स्वरूप था। इस अवतार के प्रभाव से नरसिंह भगवान शांत हुए और अपनी खाल शिवजी को धारण करने का निवेदन किया, जिसे शिव ने स्वीकार किया। स्वामी ने कहा–यह जीवन भी एक दान है हमें जीवन दान से मिला है तो क्यों ना इस जीवन को परोपकार में लगाएं। दान से धन घटता नहीं, शुद्ध होता है; जितना दोगे, उससे अधिक पाओगे। समापन पर शिव को भोले भंडारी बताते हुए उन्होंने कहा कि जो स्वयं सबका दाता है, उसे देने का भाव ही सबसे बड़ा दान है। स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती ने कहा कि शिव पुराण में कलियुग के बारे में भी बताया गया है, जिसमें अधर्म और अशुभता के बीच शिव-भक्ति और मंत्रों (जैसे 'ओम नमः शिवाय') के जाप कर जीवन को सफल और पुण्य का भागी बना सकते हैं। स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती ने शिवपुराण को दुर्लभ बताते हुए कहा इसके श्रवण से मनुष्य परलोक में सुख प्राप्त करता है। यहाँ कण-कण में वह सत्ता विद्यमान है जो न समय से बँधती है, न पुण्य से मापी जाती है। यह भूमि शंकर की है,क्योंकि यहाँ जीवन भी उनका है और परिवर्तन भी।जो चेतना कैलासत्व को चुन लेती है, वह किसी स्थान की शरण नहीं लेती– वह स्थिति की शरण लेती है। जहाँ भोले के चरण हैं, वहाँ निर्वासन नहीं,केवल स्वीकृति है। इस लोक में कोई पराया नहीं,क्योंकि यहाँ युद्ध भी शिव का है और परिवार भी शिव का। दण्डी स्वामी ज्योर्तिमयानंद सरस्वती का प्राकट्य दिवस के दिन उनके भक्तों ने उनके वजन के बराबर फलों से उन्हें तौला एवं वहीं फल धर्म प्रेमी जनता को प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। इस प्रकार 6 से 14 दिसंबर तक चलने वाली कथा शिवमहापुराण का समापन केवल कथा का अंत नहीं, बल्कि आत्मज्ञान, समता और करुणा के शाश्वत संदेश के साथ हुआ। मंडी प्रांगण में आयोजित गौ प्रतिष्ठा यज्ञ और शिवमहापुराण समापन दिवस पर मुख्य रूप से लेखमणी पाण्डेय, गुड्डा गुप्ता, प्रितम चंदेल, संजीव तिवारी, दीपक पाण्डेय, सुमित चौबे, पुरूषोत्तम पटेल, संदीप पाण्डेय, राकेश तिवारी, निति अग्रवाल, पार्षद नितु कोठारी, चांदनी रोशन दत्ता, गौरव साहू, लक्की साहू, माधवी शर्मा, मिनू पटेल, वर्षा गौतम, प्रहलाद मिश्रा, सत्यम साहू गौरव साहू, लव मिश्रा, देवी प्रसाद मिश्रा के साथ बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी लोग उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com